माघ शुक्ल - 4 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 188 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » रविवार » 02-02-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

3 संविधान और लोगों के अधिकारों की रक्षा की जरूरत : डीके शिवकुमार

4 महाकुंभ भगदड़ के पीछे साजिश की आशंका : किरोड़ी लाल

5 दिल्ली में आप के खिलाफ लहर, उसके नेता भी यह जानते हैं : शाह

फर्स्ट टेक

राष्ट्रपति के बारे में टिप्पणी, सोनिया गांधी की अदालत में शिकायत

मुजफ्फरपुर (बिहार)/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के बारे में 'बेचारी' टिप्पणी के लिए कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के खिलाफ शनिवार को बिहार के मुजफ्फरपुर जिले की एक अदालत में शिकायत दर्ज कराई गई। मुजफ्फरपुर के एक वकील सुधीर ओझा ने सोनिया गांधी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराते हुए राष्ट्रपति का कथित रूप से अपमान करने के लिए प्राथमिकी दर्ज करने को लेकर निर्देश का अनुरोध किया गया। ओझा ने विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा को भी सह-आरोपी बताया है और उनके खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई का अनुरोध किया है। मुजफ्फरपुर में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) की अदालत में शिकायत दर्ज कराने के बाद ओझा ने संवाददाताओं से कहा, ''सोनिया गांधी ने 'बेचारी' टिप्पणी करके राष्ट्रपति मुर्मू का अपमान किया है। यह देश की सर्वोच्च संवैधानिक प्राधिकारी का अपमान है।

वक्फ संशोधन विधेयक पर गठित जेपीसी की रिपोर्ट आज लोस में पेश होगी

नई दिल्ली/भाषा। वक्फ (संशोधन) विधेयक की समीक्षा के लिए गठित संसद की संयुक्त समिति (जेपीसी) की रिपोर्ट सोमवार को लोकसभा में पेश की जाएगी। लोकसभा सचिवालय द्वारा जारी बुलेटिन में कहा गया है कि समिति के अध्यक्ष जगदम्बिका पाल और सदस्य संजय जायसवाल सोमवार को लोकसभा में रिपोर्ट पेश करेंगे। समिति ने बृहस्पतिवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को रिपोर्ट सौंप दी थी। समिति ने बुधवार को बहुमत से रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया था, जिसमें सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)के सदस्यों द्वारा सुझाए गए संशोधन शामिल किये गए थे।

सिद्दरामय्या के राजनीतिक सलाहकार बी.आर. पाटिल ने इस्तीफा दिया

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के राजनीतिक सलाहकार बी.आर. पाटिल ने शनिवार को पद से इस्तीफा दे दिया। कलबुर्गी जिले के आलंद निर्वाचन क्षेत्र से विधायक पाटिल को 29 दिसंबर, 2023 को मुख्यमंत्री का राजनीतिक सलाहकार नियुक्त किया गया था। उन्होंने बेंगलूरु स्थित मुख्यमंत्री कार्यालय में आज अपना इस्तीफा सौंपा। हाल ही में पाटिल ने किसानों को कानून के जरिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) दिलाने के समर्थन में बेंगलूरु स्थित 'विधान सौध' परिसर में महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने धरना दिया था।

बजट 2025-26 में मध्यम वर्ग को राहत

■ 12.75 लाख रुपए तक की आय वाले करदाताओं और वेतनभोगियों के लिए शून्य कर के प्रावधान

■ बिहार को सौगात, कृषि और निवेश को प्रोत्साहन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आम बजट 2025-26 में मध्यम वर्ग को बड़ी राहत देने के साथ ही अर्थव्यवस्था को गति देने वाले चार इंजनों कृषि, एमएसएमई, निवेश तथा निर्यात को विशेष प्रोत्साहन देने के उपायों करते हुए बिहार के लिए कई घोषणायें की हैं।

बजट में वित्त मंत्री ने 12.75 लाख रुपए तक की आय वाले करदाताओं और वेतनभोगियों के लिए शून्य कर के प्रावधान के साथ साथ किराये से प्राप्त पर आय और बुजुर्गों की ब्याज से आय पर टीडीएस की कटौती की सीमा बढ़ाने के उपाय किये हैं। उन्होंने एमएसएमई इकाईयों को नई परिभाषा दी है जिसमें उनके निवेश और कारोबार की सीमा 2.5 गुना और दो गुना हो गयी है।

श्रीमती सीतारमण ने शनिवार को संसद में तेलुगु कवि और नाटककार गुरजादा अप्पा राव की प्रसिद्ध पंक्ति, -'एक देश सिर्फ उसकी मिट्टी नहीं है; एक देश उसके लोग हैं'- को उद्धृत किया और सभी क्षेत्रों के संतुलित विकास को प्रोत्साहित करते हुए सबका विकास थीम के साथ केंद्रीय बजट 2025-26 पेश किया। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए वित्त मंत्री ने कहा कि उधार के अलावा कुल प्राप्तियां और कुल व्यय क्रमशः 34.96 लाख करोड़ रुपये और 50.65 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है। शुद्ध कर प्राप्तियाँ 28.37 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। चालू वित्त वर्ष में उधार के अलावा कुल प्राप्तियों का संशोधित अनुमान 31.47 लाख करोड़ रुपये है, जिसमें से शुद्ध कर प्राप्तियां 25.57 लाख करोड़ रुपये हैं। कुल व्यय का संशोधित अनुमान 47.16 लाख करोड़ है, जिसमें से पूंजीगत व्यय लगभग 10.18 लाख करोड़ रुपये है। राजकोषीय घाटे का संशोधित अनुमान 2024-25 सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 4.8 प्रतिशत है जबकि बजट 2025-26 में जीडीपी का 4.4 प्रतिशत होने का अनुमान है।

राजकोषीय समेकन को जारी रखने की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार हर साल राजकोषीय घाटे को इस तरह बनाए रखने का प्रयास करती है कि केंद्र सरकार का कर्ज जीडीपी के प्रतिशत के रूप में घटता रहे और इसके लिए अगले छह वर्षों के लिए विस्तृत रोडमैप तैयार किया गया है।

वित्त मंत्री ने विकसित भारत के सिद्धांतों को रेखांकित किया, जिसमें शून्य गरीबी, सौ प्रतिशत अच्छी गुणवत्ता वाली स्कूली शिक्षा, उच्च गुणवत्ता वाली, सस्ती और व्यापक स्वास्थ्य सेवा तक पहुँच, सार्थक रोजगार के साथ सौ प्रतिशत कुशल श्रम, आर्थिक गतिविधियों में सत्तर प्रतिशत महिलाएँ और किसानों पर जोर दिया गया है।

श्रीमती सीतारमण ने कहा कि केंद्रीय बजट 2025-2026 विकास को गति देने, समावेशी विकास को सुरक्षित करने, निजी क्षेत्र के निवेश को बढ़ावा देने, घरेलू भावनाओं को ऊपर उठाने और भारत के बढ़ते मध्यम वर्ग की खर्च करने की शक्ति को बढ़ाने के लिए सरकार के प्रयासों को जारी रखने का वादा करता है। बजट में गरीब, युवा, किसान और महिला पर ध्यान केंद्रित करते हुए विकास उपायों का प्रस्ताव है। बजट का उद्देश्य भारत की विकास क्षमता और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को बढ़ाने के लिए कराधान, बिजली क्षेत्र, शहरी विकास, खनन, वित्तीय क्षेत्र और नियामक सुधारों में परिवर्तनकारी सुधार शुरू करना है। बजट में कृषि, एमएसएमई, निवेश और निर्यात को विकसित भारत की यात्रा में इंजन बताया गया है।

श्रीमती सीतारमण ने कहा कि लोकतंत्र, जनसांख्यिकी और मांग, विकसित भारत की यात्रा के प्रमुख स्तंभ हैं। उन्होंने कहा कि मध्यम वर्ग भारत के विकास को ताकत देता है और सरकार ने उनके योगदान को मान्यता देते हुए समय-समय पर 'शून्य कर' स्लैब में बढ़ोतरी की है। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित नई कर संरचना मध्यम वर्ग के हाथों में अधिक पैसा देकर उपभोग, बचत और निवेश को काफी बढ़ावा देगी। बजट में किये गये प्रस्ताव के तहत एक लाख रूपए तक मासिक औसत आय पर कोई आयकर नहीं लगेगा। इससे मध्यमवर्ग परिवारों की आय व खपत में वृद्धि होगी। वेतनभोगी करदाताओं को नई कर व्यवस्था में 12.75 लाख रुपए तक कोई आयकर नहीं देना होगा। बजट में किये गये इस प्रस्ताव से 24 लाख रुपये या उससे अधिक की वार्षिक आय वाले करदाताओं को 1.10 लाख रुपये की बचत होगी। हालांकि इससे सरकार का एक लाख करोड़ रुपये का राजस्व कम हो जायेगा।

यह जनता का बजट, हर भारतीय के सपनों को पूरा करेगा : मोदी

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आम बजट को 'ऐतिहासिक' करार देते हुए कहा कि ये हर भारतीय के सपनों को पूरा करेगा, विकसित भारत' के मिशन को आगे ले जाएगा और साथ ही विकास, निवेश और उपभोग को कई गुणा बढ़ाएगा।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से संसद में पेश किए गए वित्त वर्ष 2025-26 के आम बजट पर एक वीडियो के माध्यम से अपनी प्रतिक्रिया में मोदी ने कहा ये बजट न केवल देश की वर्तमान आवश्यकताओं को ध्यान में रखता है, बल्कि भविष्य की तैयारी करने में भी मदद करता है। उन्होंने वित्त मंत्री और उनकी टीम को 'जनता का बजट' पेश करने के लिए बधाई देते हुए कहा कि यह लोगों के हाथों में अधिक पैसा देने वाला बजट है। उन्होंने कहा, आज भारत की विकास यात्रा का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। ये 140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं का बजट है, ये हर भारतीय के सपनों को पूरा करने वाला बजट है। हमने कई क्षेत्र युवाओं के लिए खोल दिए हैं। ये विकसित भारत के मिशन को आगे ले जाने वाला है, ये बजट फोर्स मल्टीप्लायर है। उन्होंने कहा, यह बजट बचत, निवेश और उपभोग को बढ़ाएगा और साथ ही विकास को भी तेज़ी से बढ़ाएगा।

आम बजट 2025-26 की मुख्य बातें

- नई कर व्यवस्था के अन्तर्गत 12 लाख रुपए तक की आय (अर्थात विशिष्ट दर जैसे पूंजीगत लाभ को छोड़कर एक लाख रुपए प्रतिमाह की औसत आय) पर कोई आयकर नहीं देना होगा।
- उधारियों के अलावा कुल प्राप्तियां और कुल व्यय क्रमशः 34.96 लाख करोड़ रुपए तथा 50.65 लाख करोड़ रुपए रहने का अनुमान है। निवल कर प्राप्तियां 28.37 लाख करोड़ रुपए रहने का अनुमान है।
- राजकोषीय घाटा जीडीपी का 4.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है। सकल बाजार कर्ज 14.82 लाख करोड़ रहने का अनुमान।
- वित्त वर्ष 2025-26 में पंजीगत व्यय 11.21 लाख करोड़ रुपए (जीडीपी का 3.1 प्रतिशत) रहने का अनुमान।
- प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना की शुरुआत होगी जिससे 1.7 करोड़ किसानों को मदद मिलने की संभावना है।
- 'ग्रामीण समृद्धि व लचीला निर्माण' नामक एक व्यापक बहु-क्षेत्रीय कार्यक्रम शुरू किया जाएगा। पहले चरण में 100 विकासशील कृषि जिलों को शामिल किया जाएगा।
- तुअर, उड़द और मसूर पर विशेष ध्यान देने के लिए छह वर्ष के लिए 'दलहनों में आत्मनिर्भरता मिशन' शुरू होगा। केंद्रीय एजेंसियां नेफेड और एनसीसीएफ अगले चार वर्षों के दौरान किसानों से ये दालें खरीदेगी।
- सब्जियों और फलों के लिए व्यापक कार्यक्रम उत्पादन, प्रभावी आपूर्तियों, प्रसंस्करण और किसानों के लिए लाभकारी मूल्य को बढ़ावा देने के लिए राज्यों की भागीदारी से एक व्यापक कार्यक्रम आरंभ किया जाएगा।
- बिहार में मखाना बोर्ड स्थापित किया जाएगा।
- राष्ट्रीय उच्च पैदावार बीज मिशन शुरू किया जाएगा किया जाएगा जिसका उद्देश्य अनुसंधान परिवेश को मजबूत करना, लक्षित विकास और उच्च पैदावार वाले बीजों का प्रसार करना और बीजों की 100 से अधिक किस्मों को वाणिज्यिक स्तर पर उपलब्ध कराना होगा।
- कपास की खेती की उत्पादकता और निरंतरता में पर्याप्त सुधार लाने के लिए पांच वर्षीय मिशन की घोषणा।
- किसान क्रेडिट कार्ड की ऋण सीमा तीन लाख से बढ़ाकर पांच लाख करने का प्रस्ताव।
- विकास के दूसरे इंजन के रूप में एमएसएमई के वर्गीकरण मानदंड में संशोधन। सभी एमएसएमई के वर्गीकरण के लिए निवेश और कारोबार की सीमा बढ़ाकर क्रमशः 2.5 और दो गुना कर दी जाएगी।
- सूक्ष्म उद्यमों के लिए क्रेडिट कार्ड उद्यम मंच पर पंजीकृत सूक्ष्म उद्यमों के लिए पहले वर्ष में पांच लाख रुपए तक की सीमा वाले 10 लाख कस्टमाइज्ड क्रेडिट कार्ड जारी किए जाएंगे।
- स्टार्टअप के लिए निधियों का कोष: विस्तारित कार्यक्षेत्र और 10,000 करोड़ रुपए के नए अंशदान के साथ निधियों के कोष (फंड्स ऑफ फंड) की स्थापना की जाएगी।
- पहली बार व्यापार करने वाली पांच लाख महिलाओं, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों की उद्यमियों के लिए अगले पांच वर्षों के दौरान दो करोड़ रुपए तक का सावधि ऋण उपलब्ध कराने की एक नई योजना की घोषणा।
- जूता-चप्पल व चमड़ा क्षेत्रों के लिए योजना लाने की घोषणा।
- भारत को 'वैश्विक खिलौना केंद्र' बनाते हुए उच्च गुणवत्ता वाले अनूठे नवीन और पर्यावरण के अनुकूल खिलौने बनाने की योजना।
- बिहार में राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमशीलता व प्रबंधन संस्थान की स्थापना की जाएगी।
- 'मेक इन इंडिया' को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से सूक्ष्म, लघु व मझोले उद्योगों को शामिल करते हुए राष्ट्रीय विनिर्माण मिशन की स्थापना की जाएगी।

बजट में 'गिग' कर्मियों के लिए सामाजिक सुरक्षा बढ़ाने का प्रस्ताव, ई-श्रम मंच पर होगा पंजीकरण

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को ऑनलाइन मंचों से जुड़े एक करोड़ 'गिग' कर्मियों के लिए एक सामाजिक सुरक्षा योजना की घोषणा की और कहा कि सरकार उन्हें पहचान पत्र देगी। इसके साथ इन अस्थायी कर्मियों को ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकरण की सुविधा भी मिलेगी। इस कदम से इन मंच कर्मियों को विभिन्न सरकारी एजेंसियों की सामाजिक कल्याण योजनाओं का लाभ उठाने में मदद मिलेगी। सीतारमण ने कहा कि सरकार एक करोड़ 'गिग' श्रमिकों की सहायता के लिए ई-श्रम मंच पर पहचान पत्र और पंजीकरण की व्यवस्था करेगी। ई-कॉमर्स कंपनियों के लिए डिलिवरी सेवाएं प्रदान करने वाले कर्मचारी आदि गिग कर्मियों की श्रेणी में आते हैं। इनमें उबर, ओला, स्विगी और जोमैटो जैसे ऑनलाइन मंच से जुड़े लोग शामिल हैं।

बजट 'गोली के घाव पर मरहम पट्टी' की तरह : विपक्ष

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने शनिवार को केंद्रीय बजट में अर्थव्यवस्था से जुड़े संकट के समाधान के लिए कुछ नहीं होने का आरोप लगाया और कहा कि गोली लगने के घाव पर मरहम पट्टी की गई है तथा बिहार एवं दिल्ली के मतदाताओं को रिझाने का प्रयास हुआ है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''गोली लगने के घाव के लिए एक मरहम पट्टी!'' उन्होंने आरोप लगाया कि वैश्विक अनिश्चितता के बीच, हमारे आर्थिक संकट को हल करने के लिए एक आदर्श बदलाव की आवश्यकता है, लेकिन यह सरकार विचारों को लेकर दिवालिया है। बाद में उन्होंने दिल्ली के सदर बाजार में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए दावा किया गया कि 2025-26 का केंद्रीय बजट केवल देश के सबसे अमीर लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए बनाया गया है, जबकि आम नागरिकों को थोड़ी राहत प्रदान की गई है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आम बजट को मोदी सरकार द्वारा लोगों की आंखों में धूल झोंकने का प्रयास करार दिया और कहा कि इस पर ''900 चूहे खाकर बिल्ली हज को चली'' का मुहावरा सटीक बैठता है।

02-02-2025 सूर्यास्त 6:21 बजे | 03-02-2025 सूर्योदय 6:45 बजे

BSE 77,505.96 (+746.15) | NSE 23,482.15 (+232.65)

सोना 8,548 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम | चांदी 96,215 रु. प्रति किलो

बहुत कम दूरी की वायु रक्षा प्रणाली के लगातार तीन सफल उड़ान परीक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने शनिवार को ओडिशा के तट पर चांदीपुर से बहुत कम दूरी की वायु रक्षा प्रणाली के लगातार तीन उड़ान परीक्षण सफलतापूर्वक किए । रक्षा मंत्रालय ने बताया कि ये परीक्षण बहुत कम ऊंचाई पर उड़ने वाले उच्च गति वाले लक्ष्यों को निशाना बनाकर किए गए।

तीनों उड़ान परीक्षणों के दौरान, मिसाइलों ने अलग-अलग उड़ान स्थितियों में कम उड़ान वाले ड्रोन की नकल करते हुए कम थर्मल सिग्रेचर वाले लक्ष्यों को रोका और पूरी तरह से नष्ट कर दिया। उड़ान परीक्षण अंतिम तैनाती विन्यास में किए गए, जहां दो फील्ड ऑपरेटरों ने हथियार की तैयारी, लक्ष्य प्राप्ति और मिसाइल फायरिंग की।

एकीकृत परीक्षण रेंज, चांदीपुर द्वारा तैनात टेलीमेट्री, इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल ट्रैकिंग सिस्टम और रडार जैसे विभिन्न रेंज उपकरणों द्वारा कैप्चर किए गए उड़ान डेटा ने सटीक सटीकता की पुष्टि की और ड्रोन के साथ-साथ अन्य प्रकार के हवाई खतरों को बेअसर करने में मिसाइल प्रणाली की अद्वितीय क्षमता स्थापित की। उड़ान परीक्षणों को डी आर डी ओ, सशस्त्र बलों और विकास और उत्पादन भागीदारों के वरिष्ठ अधिकारियों ने देखा।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सफल उड़ान परीक्षणों के लिए डी आर डी ओ, सशस्त्र बलों और उद्योगों को बधाई दी है और इसे एक बड़ी सफलता बताया है।

बलूचिस्तान में 23 बलोच लड़ाके मारे गए, 18 पाकिस्तानी सैनिकों की भी मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के दक्षिण-पश्चिम बलूचिस्तान प्रांत में बलोच लड़ाकों और पाकिस्तानी सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ की अलग-अलग घटनाओं में 23 बलोच लड़ाके मारे गए, लेकिन कम से कम 18 पाकिस्तानी सुरक्षाकर्मियों की भी मौत हो गई। पाकिस्तानी सेना ने बताया कि पिछले 24 घंटों में अशांत बलूचिस्तान के विभिन्न इलाकों में ये बलोच लड़ाके मारे गए। शनिवार को हरनई जिले में ऐसे ही एक अभियान में पाकिस्तानी सैनिकों की बलोच लड़ाकों के साथ हुई मुठभेड़ में 11 बलोच लड़ाके मारे गए और कई बलोच लड़ाकों के ठिकानों को नष्ट कर दिया गया। शुक्रवार रात को प्रांत के कलात जिले के मंगोचर इलाके में सुरक्षा बलों ने बलोच लड़ाकों के सड़क पर अवरोधक लगाने के प्रयास को विफल करते हुए 12 बलोच लड़ाकों को मार गिराया। पाकिस्तानी सेना ने बताया, पिछले 24 घंटों में बलूचिस्तान में विभिन्न अभियानों के तहत कुल 23 बलोच लड़ाकों को मार गिराया गया है।

बीसीसीआई पुरस्कार :

सचिन तेंदुलकर को लाइफटाइम पुरस्कार, बुमराह सर्वश्रेष्ठ पुरुष अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को शनिवार को 'कर्नल सीके नायडू लाइफटाइम अचीवमेंट' पुरस्कार से नवाजा गया जबकि मौजूदा भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को 2023-24 के सर्वश्रेष्ठ पुरुष अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर के लिए पॉली उमरीगर पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

भारत के लिए 664 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले 51 वर्षीय तेंदुलकर के नाम खेल के इतिहास में टेस्ट और वनडे में सबसे अधिक रन बनाने का रिकॉर्ड है।

तेंदुलकर ने ट्वीट किया, ''कर्नल सीके नायडू लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार पाकर बहुत सम्मानित महसूस कर रहा हूं। 24 साल तक चली मेरी क्रिकेट यात्रा कभी भी मेरी नहीं रही, यह हर कोच के मार्गदर्शन, हर साथी के भरोसे, हर प्रशंसक के अटूट समर्थन और मेरे परिवार के विश्वास, प्यार और बलिदान का परिणाम है।'' उन्होंने कहा, ''यह पुरस्कार खेल और उन लोगों को वापस देने की याद दिलाता है जिन्होंने मुझे सब कुछ दिया। मुझे खुले दिल और असीमित सीमाओं के साथ भारत के लिए बल्लेबाजी करने का मौका देने के लिए बीसीसीआई और हर क्रिकेट प्रेमी को धन्यवाद।''

तेंदुलकर की 16 साल की उम्र में पदार्पण से लेकर वनडे में दोहरा शतक जड़ने वाला पहले बल्लेबाज बनने तक की यात्रा निरंतर उत्कृष्टता की खोज रही और जिसमें वह 200 टेस्ट खेलने वाले एकमात्र क्रिकेटर बने रहे।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के वार्षिक पुरस्कार समारोह के दौरान तेंदुलकर ने कहा, ''हमेशा अपने खेल को महत्व दें और अपने खेल का ख्याल रखें। मैं मौजूदा भारतीय क्रिकेटर के तौर पर कभी मैदान पर नहीं उतर पाऊंगा, इसका अहसास मुझे उस अंतिम दिन (2013) हुआ।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

थकावट महात्म्य

जान रहे हैं सारे ही दल,
किसको हुई थकावट है।
भाषा के हल्केपन से,
बस दिखती आज गिरावट है।
बेफिजूल के मुद्दों से अब,
ढीली हुई कसावट है।
शायद कुछ परिवर्तन आए,
ऐसी सबको आहट है।।

वित्त वर्ष 2025-26 का बजट

आयकर छूट सीमा 12 लाख होने से एक करोड़ और लोगों को नहीं देना होगा कर : सीतारमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि सरकार ने बजट में आयकर स्लैब में बदलाव के माध्यम से लोगों की जेब में अच्छा पैसा डाला है। उन्होंने यह भी कहा कि आयकर छूट सीमा को सालाना सात लाख रुपए से 12 लाख रुपए तक बढ़ाने के कारण एक करोड़ और लोगों को अब कोई कर नहीं देना होगा।

सीतारमण ने वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में व्यक्तिगत करदाता के लिए आयकर छूट सीमा को मौजूदा के सात लाख रुपए से बढ़ाकर 12 लाख रुपए सालाना कर दिया है। यानी जिन लोगों की आय 12 लाख रुपए सालाना है, उन्हें अब कोई कर नहीं देना होगा।

बजट के बाद संवाददाता सम्मेलन में सीतारमण ने कहा, छूट 12 लाख रुपए तक बढ़ने से एक करोड़ और लोगों को कोई आयकर नहीं देना होगा। उन्होंने कहा, सरकार ने आयकर दर में बदलाव के माध्यम से लोगों के हाथों में पर्याप्त मात्रा में पैसा दिया है...। बजट में 12 लाख रुपए से अधिक आय वाले और नई कर व्यवस्था के तहत आईटीआर दाखिल करने वालों के लिए 2025-26 में अर्जित आय पर कर देनदारी की गणना के लिए कर स्लैब को संशोधित किया गया है।

सीतारमण ने कहा, हमने मध्यम वर्ग को लाभ पहुंचाने के लिए कर दरें कम की हैं।

बजट विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि में मील का पत्थर साबित होगा : योगी

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, दोनों उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक तथा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने शनिवार को पेश आम बजट की सराहना की। योगी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने आज जो बजट पेश किया, वह विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने लिखा, प्रधानमंत्री ने इसे 'ज्ञान' का बजट बताकर महज चार अक्षरों में परिभाषित कर दिया। गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति को सशक्त करने से ही देश आत्मनिर्भर और विकसित बनेगा

मुख्यमंत्री ने कहा, वंचितों को वरीयता और अंत्योदय को प्रमुखता देने तथा भारत को तेजी से 5,000 अरब अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के संकल्प पथ पर ले जाने वाले इस बजट के लिए प्रधानमंत्री मोदी और वित्त मंत्री सीतारमण का हार्दिक आभार! उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री के यशस्वी नेतृत्व में मातृशक्ति और समाज के अंतिम पंक्ति के सभी वर्गों के उत्थान का मार्ग प्रशस्त हो रहा है। वित्त मंत्री की ओर से आज पेश आम बजट में पहली बार उद्यम शुरू करने वाली पांच लाख महिलाओं और अनुसूचित जाति (एससी) एवं अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग के उद्यमियों को दो करोड़ रुपए तक का 'टर्म लोन' देने की योजना उनके सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता और समृद्धि की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

बजट किसानों, मध्यम वर्ग, एमएसएमई को सशक्त बनाने का परिवर्तनकारी खाका : गडकरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार को बजट को किसानों, मध्यम वर्ग और सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) को सशक्त बनाने के लिए एक परिवर्तनकारी खाका बताया।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को मध्यम वर्ग के लिए महत्वपूर्ण आयकर कटौती की घोषणा की और अगली पीढ़ी के सुधारों के लिए एक खाका पेश किया। गडकरी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, वर्ष 2047 तक भारत के आर्थिक नेतृत्व की दिशा निर्धारित करने वाले दूरदर्शी बजट के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को हार्दिक धन्यवाद और बधाई। उन्होंने कहा कि यह प्रगतिशील खाका प्रमुख क्षेत्रों को मजबूत करेगा तथा रणनीतिक निवेश और परिवर्तनकारी नीतियों के माध्यम से समावेशी वृद्धि सुनिश्चित करेगा। गडकरी ने कहा कि नवाचार, समावेशन और निवेश के आधार पर बजट में समग्र वृद्धि के लिए सुधार, युवा नेतृत्व, सामुदायिक भागीदारी, महिला सशक्तिकरण और केंद्र-राज्य सहयोग पर जोर दिया गया है। उन्होंने कहा कि उद्यमशीलता, डिजिटल विस्तार और मजबूत बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देकर बजट निरंतर समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करता है।मंत्री ने कहा कि मजबूती और सतत विकास को अपने मूल में रखते हुए यह बजट भारत की आत्मनिर्भरता, प्रगति और वैश्विक उत्कृष्टता के लिए प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक्स पीएलआई, सेमीकॉन, एआई के लिए बजट 84 प्रतिशत बढ़ाया

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने अगले वित्त वर्ष (2025-26) के लिए मोबाइल फोन, आईटी हार्डवेयर, सेमीकंडक्टर योजना और इंडियाएआई मिशन के लिए उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहनों सहित प्रमुख प्रौद्योगिकी परियोजनाओं के लिए आवंटन को लगभग 84 प्रतिशत बढ़ाकर 18,000 करोड़ रुपए कर दिया है। बजट दस्तावेजों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष में प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र की परियोजना के लिए संशोधित आवंटन लगभग 9,766 करोड़ रुपए है। इंडियाएआई मिशन के लिए आवंटन 11 गुना बढ़ाकर 2,000 करोड़ रुपए कर दिया गया है। इंडियाएआई मिशन देश के कृत्रिम मेधा परिवेश के विकास की अगुवाई कर रहा है, जिसमें कंप्यूटर अवसंरचना के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना शामिल है। आईटी मंत्रालय के लिए कुल आवंटन चालू वित्त वर्ष के संशोधित आवंटन के तहत 17,566.31 करोड़ रुपए के मुकाबले 2025-26 के लिए लगभग 48 प्रतिशत बढ़ाकर 26,026.25 करोड़ रुपए कर दिया गया है। बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के लिए पीएलआई योजना के लिए 8,885 करोड़ रुपए का सबसे अधिक आवंटन किया गया है।

अस्थायी कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य बीमा एक सराहनीय कदम : स्विगी

हैदराबाद/भाषा। ऑनलाइन ऑर्डर लेकर खाने का सामान पहुंचाने वाली कंपनी स्विगी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को कहा कि यह बहुत उत्साहजनक है कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण मंचों और अस्थायी कर्मचारियों (गिग वर्कर) को भारत के शहरी परिदृश्य का एक महत्वपूर्ण हिस्सा मानती हैं। स्विगी के कॉरपोरेट मामलों के वाइस चेयरमैन दिनकर वशिष्ठ ने कहा कि प्रधानमंत्री आरोग्य योजना के माध्यम से अस्थायी कर्मचारियों को स्वास्थ्य बीमा के तहत लाने का केंद्र का निर्णय सराहनीय है। वशिष्ठ ने एक बयान में कहा, स्विगी और कई अन्य मंच पिछले कई वर्षों से हमारे 'डिलीवरी पार्टनर' को कुछ बेहतरीन अंतरराष्ट्रीय चलन के अनुरूप शर्तों के तहत स्वास्थ्य और अन्य प्रकार के बीमा प्रदान कर रहे हैं।

बजट: लोकसभा चुनाव और ईवीएम से जुड़े खर्चों के लिए कानून मंत्रालय को मिले 1,400 करोड़ रुपए

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय बजट 2025-26 में 2024 के लोकसभा चुनाव कराने और निर्वाचन आयोग के लिए नई इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों की खरीद के लिहाज से आगे के खर्च को पूरा करने के लिए कानून मंत्रालय को 1,400 करोड़ रुपए से अधिक आवंटित किए गए हैं। कानून मंत्रालय में विधायी विभाग निर्वाचन आयोग (ईसी), चुनाव, चुनावी कानूनों और आयोग में सदस्यों की नियुक्ति के लिए नोडल एजेंसी है। शनिवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किए गए बजट के अनुसार, कानून मंत्रालय को लोकसभा चुनाव के लिए 500 करोड़ रुपए, मतदाताओं के लिए पहचान पत्र के लिहाज से 300 करोड़ रुपए और 'अन्य चुनाव खर्चों' के लिए 597.80 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।

किराये से छह लाख रुपए की आय पर ही लागू होगा टीडीएस प्रावधान

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने किराये पर दी गई संपत्ति से अर्जित आय पर कर कटौती की सीमा को मौजूदा 2.4 लाख रुपए वार्षिक से बढ़ाकर छह लाख रुपए करने का शनिवार को प्रस्ताव रखा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्त वर्ष 2025-26 का बजट पेश करते हुए किराये पर टीडीएस (स्रोत पर कर कटौती) की वार्षिक सीमा बढ़ाने की घोषणा की। उन्होंने कहा, मैं कटौती की दरों और सीमाओं को घटाकर टीडीएस को तर्कसंगत बनाने का प्रस्ताव करती हूं। इसके साथ बेहतर स्पष्टता और एकरूपता के लिए कर कटौती की सीमा राशि भी बढ़ाई जाएगी। उन्होंने कहा कि किराये पर टीडीएस के लिए 2.40 लाख रुपए की वार्षिक सीमा को बढ़ाकर छह लाख रुपए किया जा रहा है। इससे टीडीएस के लिए उत्तरदायी लेनदेन की संख्या कम हो जाएगी, जिससे छोटे भुगतान लेने वाले करदाताओं को लाभ होगा। आयकर अधिनियम की धारा 194-आई के मुताबिक, किराये के तौर पर निवासी को कोई भी राशि देते समय लागू दरों पर आयकर उस वक्त काटना चाहिए, जब किराये की आय एक वित्त वर्ष में 2.4 लाख रुपए से अधिक हो। हालांकि, बजट 2025-26 में किराये के रूप में आय की इस कर कटौती सीमा को बढ़ाकर 50,000 रुपए प्रति माह करने का प्रस्ताव रखा गया है। यह प्रावधान व्यक्तिगत करदाता या अविभाजित हिंदू परिवार से इतर ही लागू होगा।

कृषि क्षेत्र के लिए छह नई योजनाएं, किसान क्रेडिट कार्ड की सीमा बढ़ाकर पांच लाख रु. की गई

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कृषि-उत्पादकता और गांव के स्तर पर समृद्धि को बढ़ाने के मकसद से छह नई योजनाओं की घोषणा की तथा सब्सिडी वाले किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) से ऋण प्राप्त करने की सीमा को तीन लाख रुपए से बढ़ाकर पांच लाख रुपए कर दिया। इससे 7.7 करोड़ किसानों, मछुआरों और डेयरी किसानों को फायदा होगा। ये घोषणाएं ऐसे समय में की गई हैं जब सरकार ने अगले वित्त वर्ष के लिए कृषि मंत्रालय का बजट आवंटन 2.75 प्रतिशत घटाकर 1.37 लाख करोड़ रुपए करने का प्रस्ताव रखा है।

हालांकि, कमी की भरपाई संबद्ध क्षेत्रों के लिए बढ़े हुए आवंटन से हुई है, जिसमें मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी क्षेत्र के लिए आवंटन को 37% बढ़ाकर 7,544 करोड़ रुपए और खाद्य प्रसंस्करण के लिए आवंटन को 56% बढ़ाकर 4,364 करोड़ रु. करने का प्रस्ताव है। कृषि, संबद्ध क्षेत्रों और खाद्य प्रसंस्करण के लिए कुल बजट आवंटन वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 1.45 लाख करोड़ रु. आंका है। नई योजनाओं के लिए आवंटन विस्तृत होने के बाद इसके चालू वर्ष के संशोधित अनुमान 1.47 लाख करोड़ रु. को पार करने की उम्मीद है। आठवां बजट पेश करते हुए सीतारमण ने कृषि को 'वृद्धि का पहला इंजन' बताया और प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना का प्रस्ताव किया। यह सरकार का एक प्रमुख कार्यक्रम है, जिसका लक्ष्य कम उत्पादकता, कम फसल लेने वाले क्षेत्र (जिन स्थानों पर दो या तीन की जगह कम या केवल एक ही फसल ली जाती हो) और ऋण लेने के औसत मापदंडों से कम ऋण लेने वाले 100 कृषि-जिलों को लक्षित करना है। राज्य सरकारों के साथ साझेदारी में लागू की जाने वाली इस योजना से कृषि उत्पादकता बढ़ने, फसल विविधीकरण और कटाई के बाद के बुनियादी ढांचे में सुधार के जरिये 1.7 करोड़ किसानों को लाभ मिलने की उम्मीद है।

बजट में शिक्षा: एआई पर बढ़ावा, पांच नए आईआईटी में बुनियादी ढांचे का विस्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार द्वारा 2025-26 के बजट में शिक्षा क्षेत्र के लिए की गई बड़ी घोषणाओं में पांच नए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) में 6,500 और छात्रों की शिक्षा के लिए बुनियादी ढांचे का विस्तार, मेडिकल की 10,000 नई सीट और कृत्रिम बुद्धिमत्ता को बढ़ावा देना शामिल है। केंद्रीय बजट 2025-26 में शिक्षा मंत्रालय को 1.28 लाख करोड़ रुपए से अधिक आवंटित किया गया है, जो 2024-25 के संशोधित अनुमान 1.14 लाख करोड़ रुपए से अधिक है।

उच्च शिक्षा विभाग को जहां 50,067 करोड़ रुपए की राशि आवंटित की गई है, वहीं स्कूली शिक्षा विभाग को 78,572 करोड़ रुपए मिले हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लगातार आठवां केंद्रीय बजट पेश किया। उन्होंने कहा कि सरकार स्कूल और उच्च शिक्षा के लिए भारतीय भाषाओं की पुस्तकों का डिजिटल रूप उपलब्ध कराने के लिए 'भारतीय भाषा पुस्तक' योजना शुरू करेगी। उन्होंने घोषणा की कि सरकार पांच भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) में अतिरिक्त बुनियादी ढांचे का निर्माण करेगी और आईआईटी पटना का विस्तार करेगी। आईआईटी पटना के विस्तार की घोषणा ऐसे समय की गई है जब बिहार विधानसभा चुनाव इस साल के अंत में होने की संभावना है।

उन्होंने कहा, पिछले 10 वर्षों में 23 आईआईटी में छात्रों की कुल संख्या 100 प्रतिशत बढ़ी है और यह 65,000 से बढ़कर 1.35 लाख हो गई है। 2014 के बाद शुरू किए गए पांच आईआईटी में अतिरिक्त बुनियादी ढांचा तैयार किया जाएगा ताकि 6,500 और छात्रों को शिक्षा मिल सके। आईआईटी पटना में छात्रावास और अन्य बुनियादी ढांचे की क्षमता का भी विस्तार किया जाएगा।

केंद्रीय बजट में आईआईटी को 11,349 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं, जो चालू वित्त वर्ष के 10,467 करोड़ रुपए के संशोधित अनुमान से अधिक है। सीतारमण ने घोषणा की कि अगले पांच वर्षों में 75,000 सीट जोड़ने के लक्ष्य की ओर बढ़ते हुए अगले साल मेडिकल कॉलेज और अस्पतालों में 10,000 अतिरिक्त सीट जोड़ी जाएंगी।

सरकार के पास नए विचार नहीं, वित्त मंत्री 1991, 2004 की तरह आर्थिक सुधार करना नहीं चाहतीं : चिदंबरम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने केंद्रीय बजट को लेकर शनिवार को आरोप लगाया कि सरकार के पास कोई नया विचार नहीं और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण वर्ष 1991 तथा 2004 की तरह आर्थिक सुधार करना नहीं चाहतीं हैं। उन्होंने संवाददाताओं से बातचीत में यह भी कहा कि इस बजट में सिर्फ मध्य वर्ग व बिहार के मतदाताओं को रिझाने का प्रयास हुआ है और शेष भारत को सिर्फ सांत्वना दी गई है।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा वित्त वर्ष 2025-26 के लिए पेश किए गए आम बजट में नई कर व्यवस्था के तहत 12 लाख रुपए तक वार्षिक आय को कर के दायरे से मुक्त रखा गया है।

चिदंबरम ने संवाददाताओं से कहा, बजट से यह स्पष्ट है कि भाजपा करदाता मध्य वर्ग और बिहार के मतदाताओं को रिझाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा, इन घोषणाओं का स्वागत मध्य वर्ग के 3.2 करोड़ करदाता और बिहार के 7.65 करोड़ मतदाता करेंगे। बाकी भारत के लिए वित्त मंत्री के पास केवल सांत्वना भरे शब्द थे। पूर्व वित्त मंत्री ने दावा किया कि सामाजिक कल्याण, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अल्पसंख्यक समुदायों के लिए आवंटन में कमी की गई है। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि बजट में देश के युवाओं को भी धोखा दिया गया है।

वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम के अनुसार, यह सरकार पुराने ढर्रे पर चलती रहेगी जिससे आगामी वित्त वर्ष में छह या 6.5 प्रतिशत की वृद्धि दर ही देखने को मिलेगी जो भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए जरूरी आठ प्रतिशत की वृद्धि दर से बहुत कम है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा कि वित्त मंत्री 1991 और 2004 की तरह आर्थिक सुधार करने के लिए तैयार नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस सरकार के पास नए विचारों का अभाव है और इसमें अपने दायरे से बाहर निकलने की इच्छाशक्ति नहीं है।

वित्त वर्ष 2025-26 के रक्षा बजट के लिए 6.81 लाख करोड़ रुपए आवंटित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने चीन और पाकिस्तान से सुरक्षा चुनौतियों के मद्देनजर सेना के आधुनिकीकरण पर जोर देने के बीच शनिवार को 2025-26 के लिए रक्षा परिव्यय के रूप में 6,81,210 करोड़ रुपए निर्धारित किए। यह चालू वित्त वर्ष के लिए आवंटित राशि 6.22 लाख करोड़ रुपए से 9.53 प्रतिशत अधिक है। कुल आवंटन में से 1,80,000 करोड़ रुपए सशस्त्र बलों के पूंजीगत व्यय के लिए निर्धारित किए गए हैं, जिसमें बड़े पैमाने पर नए हथियार, विमान, युद्धपोत और अन्य सैन्य उपकरणों की खरीद शामिल है।

रक्षा मंत्रालय ने कहा कि कुल रक्षा बजट 6.81 लाख करोड़ रुपए का है जो चालू वित्त वर्ष के परिव्यय से 9.53 प्रतिशत अधिक है। इसने पूंजीगत व्यय के बारे में कहा कि 1,48,722.80 करोड़ रुपए नए सैन्य उपकरणों की खरीद के लिए ''आधुनिकीकरण बजट'' पर खर्च करने की योजना है और शेष 31,277 करोड़ रुपए अनुसंधान एवं विकास तथा ढांचागत परिसंपत्तियों के निर्माण पर खर्च के लिए हैं। इसमें कहा गया है कि आधुनिकीकरण बजट का 75 प्रतिशत यानी 1,11,544 करोड़ रुपए घरेलू स्रोतों से खरीद के लिए निर्धारित किए गए हैं। घरेलू हिस्से का 25 प्रतिशत यानी 27,886 करोड़ रुपए घरेलू निजी उद्योगों के माध्यम से खरीद के लिए प्रावधान किया गया है। अगले वित्त वर्ष में सशस्त्र बलों के लिए पूंजीगत परिव्यय 2024-25 के बजटीय अनुमान 1.72 लाख करोड़ रुपए से 4.65 प्रतिशत अधिक है। 2024-25 के लिए संशोधित पूंजीगत परिव्यय 1,59,500 करोड़ रुपए अनुमानित किया गया है। कुल पूंजीगत परिव्यय 1,92,387 करोड़ रुपए रखा गया है, जिसमें से 12,387 करोड़ रुपए रक्षा सेवाओं के लिए रखे गए हैं। वर्ष 2024-25 में पूंजी परिव्यय 1.72 लाख करोड़ रुपए था और संशोधित अनुमान के अनुसार यह राशि 1,59,500 करोड़ रुपए है, जो बताता है कि लगभग 13,500 करोड़ रुपए की राशि अभी तक खर्च नहीं की गई है। अगले वित्त वर्ष के लिए दैनिक कामकाज और वेतन संबंधी राजस्व व्यय 4,88,822 करोड़ रुपए आंका गया है, जिसमें पेंशन के लिए 1,60,795 करोड़ रुपए शामिल हैं।

गोली के घाव पर मरहम पट्टी वाला बजट है, आर्थिक संकट का समाधान नहीं : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने शनिवार को केंद्रीय बजट में अर्थव्यवस्था से जुड़े संकट के समाधान के लिए कुछ नहीं होने का आरोप लगाया और कहा कि गोली लगने के घाव पर मरहम पट्टी की गई है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से वित्त वर्ष 2025-26 के लिए पेश किए गए आम बजट पर अपनी प्रतिक्रिया में मोदी ने कहा कि आज देश 'विकास भी, विरासत भी' के मंत्र को लेकर चल रहा है और इस बजट में इसके लिए बहुत महत्वपूर्ण और ठोस कदम उठाए गए हैं।

बजट में नई कर व्यवस्था के तहत 12 लाख रुपए तक वार्षिक आय को कर के दायरे से मुक्त रखा गया है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, गोली लगने के घाव के लिए एक मरहम पट्टी!'' उन्होंने आरोप लगाया कि वैश्विक अनिश्चितता के बीच, हमारे आर्थिक संकट को हल करने के लिए एक आदर्श बदलाव की आवश्यकता है, लेकिन यह सरकार विचारों को लेकर दिवालिया है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि केवल आयकरदाताओं के लिए राहत दी गई है, लेकिन अर्थव्यवस्था पर इसका वास्तविक प्रभाव क्या होगा, यह देखना अभी बाकी है। उन्होंने यह भी कहा कि इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव के चलते बिहार के लिए कई घोषणाएं की गई हैं, जबकि आंध्र प्रदेश की अनदेखी की गई है।

रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, अर्थव्यवस्था इस समय स्थिर वास्तविक मजदूरी, सामूहिक उपभोग में उछाल की कमी, निजी निवेश की सुस्त दरें तथा जटिल और पेचीदा जीएसटी प्रणाली रूपी संकटों से घिरी हुई है। बजट में इन समस्याओं को दूर करने के लिए कुछ नहीं है। उन्होंने कहा, ऐसा लगता है कि बिहार को घोषणाओं का खजाना मिल गया है। यह स्वाभाविक है क्योंकि साल के अंत में वहां चुनाव होने हैं। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने पोस्ट किया, बजट भारत की लड़खड़ाती अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए कुछ नहीं करेगा।

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या शनिवार को मैसूरु में अपने आवास पर जनता की समस्याएं सुनते हुए।

कर्नाटक को केंद्रीय बजट में मिला 'खाली चोम्बू' : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शनिवार को केंद्रीय बजट की आलोचना करते हुए कहा कि इसमें राज्य को 'खाली चोम्बू' (खाली लोटा) दिया गया है। सिद्दरामय्या ने कहा कि उन्हें कर्नाटक के लिए बजट से काफी उम्मीदें थीं, लेकिन उनमें से कोई भी पूरी नहीं हुई।

उन्होंने मैसूरु में संवाददाताओं से बातचीत में कहा, ''देश के दृष्टिकोण से, विशेष रूप से कर्नाटक के लिए, 2025-26 का केंद्रीय बजट बहुत निराशाजनक है। इस बजट में कोई दूरदर्शिता नहीं है।''

सिद्दरामय्या ने कहा कि उन्होंने इस बजट में शामिल करने के लिए केंद्र को कई अनुरोध भेजे थे, लेकिन उन पर विचार नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि लोग जानते हैं कि कर्नाटक दूसरा सबसे अधिक कर देने वाला राज्य है, लेकिन उसे कर में सबसे कम हिस्सेदारी मिलती है। सिद्दरामय्या ने कहा, ''कनकपुरा में कावेरी पर मेकेदातु जलाशय, ऊपरी भद्रा जल परियोजना, महादयी नदी और कृष्णा नदी सिंचाई परियोजनाओं जैसी हमारी परियोजनाओं पर कोई विचार नहीं किया गया। हमें बजट से बड़ी उम्मीदें थीं, लेकिन यह उन पर खरा नहीं उतर सका।''

उन्होंने कहा, ''बेंगलूरु में हमने वर्षा जल निकासी परियोजना और व्यापार गलियारों के लिए धन मांगा था, लेकिन हमें 'खाली चोम्बू' मिला। कुल मिलाकर, यह बजट कर्नाटक को 'चोम्बू' देता है।'' मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि बिहार और आंध्र प्रदेश को बजट में बड़ा हिस्सा मिला है। सिद्दरामय्या ने रेखांकित किया, केंद्र में गठबंधन सरकार है। राजनीतिक कारणों से बिहार और आंध्र प्रदेश को विशेष अनुदान दिया गया है। पिछले साल और इस साल भी उन्हें पैकेज दिया गया। एक तरह से यह बजट बिहार और आंध्र प्रदेश पर अधिक जोर देता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें ऐसा लग रहा है कि जिस तरह कर्नाटक को 'चोम्बू' मिला, उसी तरह बिहार को भी 'चोम्बू' मिलेगा। मुख्यमंत्री ने हालांकि, स्वीकार किया कि उन्होंने पूरा बजट नहीं पढ़ा है और वह सीतारमण का पूरा बजट भाषण नहीं सुन सके। उन्होंने कहा, लेकिन मैंने बजट की मुख्य विशेषताएं देखी हैं। कर्नाटक के ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज मंत्री प्रियंक खरगे ने कहा कि ये महज घोषणाएं हैं और इनमें से कोई भी पूरी नहीं होगी। उन्होंने हुबली में मीडिया से कहा, मुझे बजट से कोई उम्मीद नहीं है। हम पिछले 10 वर्षों से यह देख रहे हैं। मोदी के मास्टरस्ट्रोक के कारण बेरोजगारी अपने चरम पर है।

केन्द्रीय बजट एक राज्य तक सीमित नहीं है : प्रह्लाद जोशी

नए आईआईटी, जिला अस्पतालों में कैंसर उपचार केंद्र, किसान क्रेडिट ऋण में वृद्धि, स्टार्ट-अप, धन धन्य योजना, 12 लाख रुपये तक कर छूट, नवजात शिशुओं और माताओं के लिए पौष्टिक भोजन, मेडिकल सीटों में वृद्धि जैसी सभी पेशकशें बेकार हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। केंद्रीय बजट किसी एक राज्य तक सीमित नहीं है। इसमें कुल मिलाकर सभी राज्य शामिल हैं। केंद्रीय खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री प्रल्हाद जोशी ने जवाब दिया कि कर्नाटक को उसकी जरूरत की हर चीज उपलब्ध करा दी गई है। केंद्रीय बजट पेश करने के बाद दिल्ली में अपने आवास पर एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कांग्रेसियों के आरोपों पर पलटवार किया।

उन्होंने जवाब दिया कि नए आईआईटी, जिला अस्पतालों में कैंसर उपचार केंद्र, किसान क्रेडिट ऋण में वृद्धि, स्टार्ट-अप, धन धन्य योजना, 12 लाख रुपये तक कर छूट, नवजात शिशुओं और माताओं के लिए पौष्टिक भोजन, मेडिकल सीटों में वृद्धि जैसी सभी पेशकशें बेकार हैं। ये नियम कर्नाटक पर भी लागू नहीं होते।

एक दशक से कर्नाटक के लिए बड़ा योगदान दिया है। मंत्री ने कहा कि केंद्र की एनडीए सरकार सत्ता में आने के बाद से पिछले एक दशक से कर्नाटक के लिए बड़ा योगदान दे रही है। हमने राज्य को रेलवे सुविधाओं के लिए ठीक 5000 करोड़ रुपये दिए हैं। हमने एआईएमएस दिया है। हमने सड़क, रेलवे और हवाईअड्डों जैसे बुनियादी ढांचे में बहुत बड़ा योगदान दिया है। मंत्री ने कहा कि भविष्य में कर्नाटक को कई और परियोजनाएं मिलेंगी।

एम्स में देरी का कारण राज्य की कांग्रेस सरकार में असमंजस की स्थिति है। राज्य की कांग्रेस सरकार इस बात पर आम सहमति नहीं बना पाई है कि राज्य में एम्स कहां स्थापित किया जाए। मंत्री प्रह्लाद जोशी ने एक संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि सरकार वहां नहीं, यहां नहीं कहकर भ्रम पैदा कर रही है। केंद्र सरकार ने हर बार कर्नाटक को क्या दिया है? उन्होंने राज्य कांग्रेस नेताओं के आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा कि यह एक मिथक है। मंत्री राजन्ना अपनी ही पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के बारे में कुछ न कुछ कहते रहते हैं। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने पलटवार करते हुए कहा कि उनकी पार्टी में गुटबाजी और मतभेद काफी हैं। जोशी ने कहा कि कांग्रेस एक जिम्मेदार पार्टी नहीं है। इसलिए जोशी ने गैरजिम्मेदाराना तरीके से काम करने और बयानबाजी करने के लिए पार्टी नेताओं की आलोचना की। केन्द्रीय बजट एक राज्य तक सीमित नहीं है।

शनिवार को चिक्कमगलूरु में नक्सली कोतेहोंडा रवींद्र आत्मसमर्पण के बाद चिक्कमगलूरु एसपी विक्रम अमाथे और डीसी मीना नागराज के साथ।

कर्नाटक भाजपा ने केंद्रीय बजट को दूरदर्शी और विकासोन्मुखी बताया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। भाजपा की कर्नाटक इकाई ने शनिवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश केंद्रीय बजट की सराहना करते हुए इसे दूरदर्शी और विकासोन्मुखी बताया। पार्टी नेताओं ने कहा कि बजट मध्यम वर्ग के साथ-साथ कृषि क्षेत्र को भी राहत प्रदान करने वाला है। पूर्व मुख्यमंत्री बी. एस. येडीयुरप्पा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'मैं माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी और वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण को एक दूरदर्शी बजट पेश करने के लिए हार्दिक बधाई देता हूं जो विकसित भारत की यात्रा में एक और उपलब्धि है।' उनके अनुसार, 2025-26 का बजट किसानों, मध्यम वर्ग और छोटे एवं मध्यम उद्यमों को सशक्त बनाने में सहायक होगा।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद और पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने भी बजट की सराहना की और इसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 2047 तक आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के सपने को पूरा करने की दिशा में एक बड़ा कदम बताया। हुब्बल्ली में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने बजट को विकासोन्मुखी बताया। उन्होंने कहा, यह एक बहुत ही समावेशी बजट है जिससे किसानों, युवाओं, महिलाओं और एससी/एसटी समुदायों को लाभ मिलेगा।

सरकार ने रामनगर में भूमि अतिक्रमण की जांच के लिए समिति गठित की

बेंगलूरु। कर्नाटक सरकार ने रामनगर जिले में सरकारी जमीन के अतिक्रमण की जांच के लिए पांच सदस्यीय समिति गठित की है। आरोप है कि एक राजनीतिक नेता ने रामनगर जिले के बिड़दी में एक सरकारी भूखंड पर अतिक्रमण कर रखा है। बीते मंगलवार को जारी एक सरकारी आदेश में कहा गया है कि रामनगर जिले के बिदादी में केथागनहल्ली के सर्वेक्षण संख्या 8, 9, 10, 16, 17 और 79 में अतिक्रमण की जांच के लिए उच्च न्यायालय के निर्देश के बाद बेंगलूरु क्षेत्रीय आयुक्त अमलान आदित्य विश्वास की अध्यक्षता में एक समिति गठित की गई है। समिति के अन्य सदस्यों में सर्वे बंदोबस्त और भूमि अभिलेख संयुक्त निदेशक निसार अहमद, अतिरिक्त क्षेत्रीय आयुक्त इस्लाउद्दीन गज्याल, तहसीलदार गणपति शास्त्री और तहसीलदार शीतल शामिल हैं। समिति सभी भूमि अभिलेखों की समीक्षा करेगी और आवश्यकता होने पर दस्तावेजों को फोरेंसिक प्रयोगशाला में भेजेगी।

किसानों का पूरा ख्याल रखने वाला बजट है : कुमारस्वामी

एक ऐसा बजट जो मध्यम वर्ग के जीवन को आसान और सरल बनाएगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने कहा है कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत बजट 2047 तक विकसित भारत के सपने को साकार करने में बड़ा योगदान देगा। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसा बजट है जिसमें किसानों का भरपूर ध्यान रखा गया है और माना जा रहा है कि यह मध्यम वर्ग के जीवन को आसान और सरल बनाने वाला बजट है। उन्होंने कहा कि 2025 का बजट प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन और किसान हितैषी विचारों का प्रतिबिंब है; उन्होंने कहा कि बजट में जैविक खेती को बढ़ावा देने, कृषि में स्थिरता पर जोर देने और किसानों की लागत कम करने के लिए आवश्यक पहल की गई है।

कुमारस्वामी ने शनिवार को कहा कि यह ऐसा बजट है जो किसानों को सशक्त करेगा और उन्हें बेहतर आय अर्जित कराएगा, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगा और भारतीय कृषि को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करेगा। मंत्री ने बजट में मुख्य रूप से निम्नलिखित बिंदुओं पर जोर दिया और जवाब दिया। प्रधानमंत्री धन-धान्य योजना भारतीय कृषि क्षेत्र में एक क्रांतिकारी कदम है। इससे घरेलू कृषि के लिए विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा, कृषि उत्पादों के लिए उत्कृष्ट भंडारण सुविधाएं उपलब्ध होंगी, निर्यात को बढ़ावा मिलेगा, किसानों की आय बढ़ेगी और ग्रामीण भारत को मजबूती मिलेगी।

किसान क्रेडिट कार्ड की सीमा 3 लाख रुपये से बढ़ाकर 5 लाख रुपये करने से डेयरी किसानों और मछुआरों सहित सभी किसानों को ऋण तक आसान पहुंच उपलब्ध होगी। कृषि-प्रौद्योगिकी और कृषि-आधारित स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए 1 लाख करोड़ का आवंटन स्वागत योग्य है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और अत्याधुनिक सिंचाई सुविधाओं के उपयोग को प्राथमिकता दी गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए कदम उठाए गए हैं। सर्वोत्तम शीत भंडारण सुविधाओं, उपयोग में आसान एवं कुशल संचार प्रणाली तथा सर्वोत्तम आपूर्ति श्रृंखला की स्थापना को प्राथमिकता दी गई है। वित्त मंत्री द्वारा प्रस्तुत बजट प्रधानमंत्री के विकसित भारत के सपने को साकार करने में महत्वपूर्ण योगदान देगा। मंत्री ने कहा कि भारतीय कृषि क्षेत्र भविष्य में और अधिक समृद्ध होगा।

मंत्री कुमारस्वामी ने इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र के लिए बजट में दिए गए प्रोत्साहन उपायों पर संतोष व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि बजट में वाहन उत्पादन बढ़ाने, विशेषकर इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र में, तथा शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में चार्जिंग बुनियादी ढांचे के विस्तार पर जोर दिया गया है। राज्यों को 50 वर्ष के ब्याज मुक्त ऋण के लिए 1.5 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान है। आरक्षण राज्यों की आर्थिक ताकत को मजबूत करने के लिए उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है। कुमारस्वामी ने कहा बजट ने वेतनभोगी कर्मचारियों को खुशखबरी दी है।

आयकर छूट की सीमा बढ़ाकर 12 लाख कर दी गई है। मंत्री ने कहा कि इस फैसले से मासिक वेतन पाने वाले करोड़ों लोगों को बहुत फायदा होगा।

एक फरवरी को आखिरी आत्मसमर्पण के साथ 'कर्नाटक नक्सलमुक्त' राज्य बना : पुलिस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चिकमगलूरु। चिकमगलूरु जिले में एक और नक्सली का आत्मसमर्पण करना कर्नाटक के नक्सलमुक्त राज्य बनने की दिशा में एक अहम कदम है। चिकमगलूरु के पुलिस अधीक्षक विक्रम अमाठे ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, इस आत्मसमर्पण के साथ ही कर्नाटक अब नक्सलमुक्त राज्य बन गया है।

कोटेहोंडा रवींद्र (44) श्रृंगेरी तालुक में किग्गा के पास हुलगारू बैल के कोटेहोंडा का निवासी है और जंगल में रह रहा था।

शुक्रवार को वह श्रृंगेरी से आया और पुलिस अधीक्षक अमाठे के सामने आत्मसमर्पण किया। रवींद्र को उपायुक्त मीणा नागराज के पास ले जाया गया जहां आत्मसमर्पण की औपचारिक प्रक्रिया पूरी की गयी। अमाठे ने कहा, 'रवींद्र 14 मार्च, 2024 को लागू हुई नई आत्मसमर्पण नीति के तहत 'ए' श्रेणी का नक्सली था। आत्मसमर्पण पैकेज के तहत उसे सरकार से साढ़े सात लाख रुपये मिलेंगे। उसकी इच्छा हो तो उसे कौशल प्रशिक्षण दिया जाएगा और उसे 5000 रुपये का मासिक पैकेज भी दिया जाएगा।'' पुलिस के मुताबिक रवींद्र के विरुद्ध कुल 27 मामले दर्ज हैं जिनमें 13 मामले चिकमगलूरु में दर्ज हैं। अमाठे ने यह भी बताया कि अब तक कर्नाटक में 21 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। पुलिस के अनुसार रवींद्र केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु में नक्सली गतिविधियों में शामिल था और 2007 से भूमिगत था।

संविधान और लोगों के अधिकारों की रक्षा की जरूरत : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नईदिल्ली। लोगों के अधिकारों और संवैधानिक मूल्यों की सुरक्षा की आवश्यकता पर बल देते हुए उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने शनिवार को नई दिल्ली में कहा कि कांग्रेस पार्टी संविधान को बचाने के लिए लड़ रही है। यहां दिल्ली चुनाव के तहत कस्तूरनगर विधानसभा क्षेत्र में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, करीब 40 साल पहले दिल्ली में सिर्फ एक मेयर चुना जाता था। राजीव गांधी ने ही इसे पूर्ण राज्य का दर्जा दिया था। दिल्ली में वैसा विकास नहीं हुआ जैसा कांग्रेस की मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के कार्यकाल में हुआ था। उन्होंने कहा, हम अतीत में जो हुआ उस पर ज्यादा ध्यान नहीं दे सकते, लेकिन हम निश्चित रूप से यहां से अपना भविष्य तय कर सकते हैं। यह चुनाव ऐसा करने का एक बेहतरीन अवसर है। हम अपने संविधान, लोकतंत्र और अपने इतिहास के लिए लड़ रहे हैं। हमें संविधान और आपके अधिकारों की रक्षा करने की जरूरत है। आप जिस सरकार को चुनेंगे, उसे आम लोगों की रक्षा करनी चाहिए, न कि बड़े उद्योगपतियों की।

उन्होंने कहा कि पूरा देश दिल्ली की ओर देख रहा है। दिल्ली चुनाव के नतीजे देश में विकास पर जनमत संग्रह हैं। जब पूर्व प्रधानमंत्री वाजपेयी बेंगलूरु अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे की आधारशिला रखने आए थे, तो उन्होंने कहा था कि विदेशी गणमान्य लोग दिल्ली से पहले बेंगलूरु का दौरा कर रहे हैं, जो शहर के बढ़ते महत्व को दर्शाता है। व्यस्त प्रचार कार्यक्रम के बीच, उपमुख्यमंत्री ने कांग्रेस पार्टी के कई नेताओं और पार्टी उम्मीदवार के साथ एक मैत्रीपूर्ण क्रिकेट मैच में अपने क्रिकेट कौशल का प्रदर्शन किया।

अनावरण

शनिवार को बेंगलूरु के विधान सौधा में कर्नाटक इंटरनेशनल ट्रैवल एक्सपो का लोगो जारी करते हुए पर्यटन मंत्री एचके पाटिल। यह प्रदर्शनी आगामी 26 से 28 फरवरी तक बीआईईसी परिसर में आयोजित की जाएगी। इस अवसर पर मुख्य सचिव शालिनी रजनीश और निदेशक डॉ. राजेंद्र भी मौजूद थे।

ಪಿಎಂ ಶ್ರೀ ಕೇಂದ್ರೀಯ ವಿದ್ಯಾಲಯ, ಹೆಬ್ಬಾಳ್, ಸದಾಶಿವನಗರ ಆಂಚೆ, ಬೆಂಗಳೂರು - 560 080

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय हेब्बाल
सदाशिवनगर, बेंगलूरु -560080
PM SHRI KENDRIYA VIDYALAYA HEBBAL
SADASHIVNAGAR, BENGALURU- 560080

F.1046-029/2023-24/KVH/ दिनांक : 01/02/2025

संविदा शिक्षकों हेतु साक्षात्कार,सत्र 2025-26
मौजूदा रिक्ति हेतु / पैनल तैयार करने हेतु

पंजीकरण का समय: 8:00 am to 09:00 am, दिनांक : 18/02/2025
स्थल: पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय हेब्बाल

क्र.स.	पद	विषय
1.	स्नातकोत्तर शिक्षक एवं कंप्यूटर प्रशिक्षक	भौतिक शास्त्र/रसायन शास्त्र/गणित/जीव विज्ञान /अंग्रेजी/हिन्दी/ अर्थशास्त्र/ वाणिज्य/ संगणक विज्ञान
2.	प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक	अंग्रेजी/ हिन्दी/ गणित/ विज्ञान/ सामाजिक अध्ययन / संस्कृत
3.	प्राथमिक शिक्षक	प्राथमिक शिक्षक
	विशेष विषय शिक्षक	विशेष शिक्षक/ संगीत शिक्षक/ क्षेत्रीय भाषा(कन्नड़) /बालवाटिका शिक्षक (ईसीसीई)/ नर्स/ शैक्षणिक परामर्शदाता / कला और शिल्प प्रशिक्षक/ प्रदर्शन कला प्रशिक्षक (विशेषतः महिला) / संगणक प्रशिक्षक
4.	खेल प्रशिक्षक एवं योग प्रशिक्षक	वॉलीबॉल/ कबड्डी/ खो-खो/ बास्केट बॉल/ ताए-क्वोन-डो/ योग/ कराटे (आत्मरक्षा)

उम्मीदवारों को भरे हुए आवेदन पत्र के साथ मूल प्रमाण पत्र और एक प्रति लानी होगी।
Candidates must carry original certificates and a copy along with filled application form.
अधिक जानकारी हेतु स्कूल की वेबसाइट देखें / For more details see School website : https://hebbalbangalore.kvs.ac.in

प्राचार्य
पीएम श्री के वि हेब्बाल

कहानियां बच्चों की बौद्धिक क्षमता बढ़ाती है : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि भारत आरम्भ से ही ज्ञान (टेलेंट) का खजाना रहा है। उन्होंने कहा कि अगर बच्चों को पौराणिक कहानियां सुनाई जाती है तो उनकी बौद्धिक क्षमता विकसित होगी। राज्यपाल बागड़े शनिवार को माहेश्वरी एजुकेशन कमेटी द्वारा आयोजित कहानी महोत्सव को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस अवसर पर वीरता से जुड़ी कहानियां और माताओं द्वारा सुनाई जाने वाली लोरियों की बात करते हुए कहा कि इनमें कहा जाता है कि या तो शूरवीर जन्मे या भामाशाह जैसे वीर जन्म ले। उन्होंने कहा कि केवल डिग्री से व्यक्ति सफल नहीं हो सकता, बौद्धिक क्षमता का होना भी जरूरी है। यह अधिक से अधिक पढने, सुनने से विकसित होती है। उन्होंने कहा कि अच्छी कहानियां ही जीवन में अच्छा करने के लिए प्रेरित करती है। इसलिए नई शिक्षा नीति में बच्चों को पाठयपुस्तकों के साथ व्यावहारिक शिक्षा देने पर जोर दिया गया है। राज्यपाल ने भास्कराचार्य द्वारा गुरुत्वाकर्षण की शोध करने की चर्चा करते हुए कहा कि इसी को बाद में न्यूटन ने सिद्धांत रूप में विश्व के सामने रखा। उन्होंने प्राचीन ज्ञान विज्ञान परम्परा से जुड़े नालंदा, तक्षशिला विश्वविद्यालय को विश्वभर के ज्ञान केंद्र बताते हुए कहा कि इन्हें इसी कारण नष्ट कर दिया गया। ज्ञान केंद्र, नालंदा के पुस्तकालय को बख्तियार खिलजी ने जला दिया। वहां पुस्तकें इतनी थी कि तीन माह तक आग जलती रही। उन्होंने ज्ञान की उस परंपरा को फिर से जीवंत करने के लिए कार्य करने का आह्वान किया।

छात्राओं को अश्लील मैसेज भेजने वाले दो अध्यापक निलंबित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

झुंझुनू। राजस्थान के झुंझुनू जिले में बामलास गांव के एक सरकारी स्कूल में दो अध्यापकों को छात्राओं से छेड़छाड़ करने एवं अश्लील मैसेज भेजने के आरोप में निलंबित कर दिया गया है।

राजकीय उच्च माध्यमिक विधालय बामलास के प्रधानाचार्य मांगीलाल वर्मा ने बताया कि शुक्रवार को स्कूल के दो अध्यापकों पर छात्राओं ने छेड़छाड़ का आरोप लगाया। इसकी सूचना सहायक ब्लाक शिक्षा अधिकारी (सीबीईओ) उदयपुरवाटी आत्माराम वर्मा को दी गई। सीबीईओ आत्माराम ने बताया कि दोनों अध्यापक ताराचन्द सैनी एवं नत्थूसिंह को निलम्बित कर दिया गया है। उनका मुख्यालय सीबीईओ कार्यालय रखा गया है।

मामले की सूचना मिलते ही गुढ़ागौड़जी थानाधिकारी राममनोहर ठोलिया एवं नायब तहसीलदार ओमप्रकाश मौके पर पहुंचे। पुलिस ने छात्राओं के बयान लिए हैं। छात्राओं ने मोबाइल पर अश्लील मैसेज भेजने का आरोप लगाया है।

ग्रामीणों के आक्रोश को देखते पुलिस ने दोनों अध्यापकों को हिरासत में ले लिया। छात्राओं के परिजन और ग्रामीणों में रोष देखते हुए अन्य अध्यापकों ने दोनों अध्यापकों को कमरे में बंद कर बाहर से ताला लगा दिया। इससे पहले एक ग्रामीण महिला ने कमरे में अध्यापक की धुनाई कर दी। करीब तीन घंटे तक दोनों अध्यापकों को कमरे में बंद रखा गया और बाहर ग्रामीणों का प्रदर्शन चलता रहा।

महाकुंभ भगदड़ के पीछे साजिश की आशंका, जांच में सच्चाई आएगी सामने : किरोड़ी लाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ में भगदड़ की घटना पर राजस्थान सरकार में मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि जब सब कुछ ठीक चल रहा था, तो अचानक यह घटना कैसे हो गई। मुझे लगता है कि इसके पीछे कहीं न कहीं साजिश है। उन्होंने कहा, 'हमें भी लगता है कि जब सब कुछ ठीक चल रहा था, तो अचानक ये कैसे हो गया। विपक्ष और दूसरे देशों के लोग इस बात से खुश नहीं थे कि यह आयोजन इतना भव्य कैसे हो रहा है। सब कुछ ठीक चल रहा था। फिर इस तरह की घटना हो जाती है। कुछ न कुछ साजिश है। जांच होनी चाहिए। उत्तर प्रदेश सरकार ने जांच के आदेश दे दिए हैं। जांच में घटना की सच्चाई सामने आ जाएगी।

कुंभ में मौनी अमावस्या पर हुई भगदड़ में 30 श्रद्धालुओं की मौत हो गई और 90 से ज्यादा घायल हो गए। मृतकों के परिजनों के लिए राज्य सरकार द्वारा 25-25 लाख रुपये के मुआवजे का ऐलान किया गया है। वहीं, भगदड़ में घायल हुए श्रद्धालुओं का इलाज किया जा रहा है। राजस्थान में सूर्य नमस्कार पर विपक्ष के हंगामे पर किरोड़ी लाल मीणा ने कहा, सूर्य पूरे विश्व को प्रकाश प्रदान करता है और जीवन में प्रकाश लाता है। हमें ऊर्जा देता है। सूर्य को नमस्कार करने और योगाभ्यास करने से लाभ प्राप्त किया जा सकता है। इसका विरोध करने वाले लोग सनातनी परंपरा का मखौल उड़ा रहे हैं। पीएम मोदी के फिट इंडिया वाले बयान पर उन्होंने कहा कि मोदी जी ने जो कहा, वह सही कहा है। हम रोज फैटी एसिड खा रहे हैं, इससे बीमारियां बढ़ रही हैं। मोदी जी ने जितना कहा है, उससे ज्यादा आपको फिट रहने के लिए मेहनत करनी चाहिए, योग करना चाहिए, एक्सरसाइज करनी चाहिए।

मध्यम वर्ग की आशाओं पर खरा उतरा बजट : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि केन्द्रीय बजट 2025-26 विकसित भारत-आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को मजबूती देगा। साथ ही, बजट में मेक इन इण्डिया से अब 'मेक फॉर वर्ल्ड' की अवधारणा के साथ देश को वैश्विक आर्थिक शक्ति बनने की दिशा दी गई है। उन्होंने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इस बजट में समावेशी विकास पर विशेष फोकस देते हुए संतुलित विकास का रोडमैप दिया गया है।

उन्होंने कहा कि बजट में मध्यम वर्ग को बड़ी राहत दी गई है, किसानों को आर्थिक संबल दिया गया है तथा एमएसएमई सेक्टर को भी मजबूती दी गई है। जनता का यह बजट भारत के जन-जन के भविष्य को निखारेगा तथा बजट से समृद्ध और सशक्त राजस्थान के विजन को मजबूती मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार द्वारा जल जीवन मिशन की अवधि को बढ़ाने, पावर सेक्टर रिफॉर्म के लिए विशेष सहायता देने एवं राज्य को पूंजीगत निवेश के लिए ब्याज मुक्त ऋण प्रदान किये जाने के संबंध में प्रस्ताव दिए थे जिस पर केन्द्र सरकार ने बजट में मंजूरी दी। उन्होंने कहा कि बजट 2025-26 में सबका साथ, सबका विकास, सबका प्रयास और सबका विश्वास पर विशेष बल दिया गया है, जिससे देश विश्व में आर्थिक महाशक्ति की राह पर अग्रसर होगा।

शर्मा ने केन्द्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण को अभूतपूर्व बजट प्रस्तुत करने के लिए बधाई देते हुए कहा कि इस बजट में गरीब, युवा, महिला, किसान के कल्याण पर फोकस किया गया है। साथ ही, अन्त्योदय की अवधारणा पर काम करते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग को प्रतिनिधित्व मिला है। उन्होंने कहा कि बजट में कृषि, रोजगार, एमएसएमई, ऊर्जा, बुनियादी ढांचे के साथ ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजिटल तकनीक, कौशल प्रशिक्षण जैसे नवाचारों के लिए भी विभिन्न प्रावधान किए गए है जिससे सभी क्षेत्रों में देश विकास की नई ऊंचाईयों पर पहुंचे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बजट में किसानों को सशक्तीकरण के लिए किसान क्रेडिट कार्ड की सीमा 3 से बढ़ाकर 5 लाख, बीमा क्षेत्र में 100 प्रतिशत एफडीआई की मंजूरी, पीएम धन धान्य कृषि योजना, नया आयकर कानून, छोटे शहरों को 88 एयरपोर्ट से जोड़ना, आईआईटी संस्थानों में सीट की बढ़ोतरी, मैडीकल टूयूरिज्म को बढ़ावा देना सहित विभिन्न प्रावधान किए गए है। स्टार्ट अप, एमएसएमई और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए किए गए प्रावधानों से युवाओं को रोजगार के नये अवसर मिलेंगे।

बजट अत्यंत निराशाजनक : गोविंद सिंह डोटासरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने केन्द्रीय बजट को अत्यंत निराशाजनक करार देते हुए कहा है कि इसमें आम आदमी के लिए कुछ भी नहीं हैं और गरीबों को 'खपाना' और पूंजीपतियों को 'खजाना' देश में पिछले ग्यारह वर्ष से यही हो रहा है। डोटासरा ने केन्द्रीय बजट पर अपनी प्रतिक्रिया में यह बात कही। उन्होंने कहा कि राजस्थान नहीं बल्कि पूरे देश की जनता को हताश करने वाले बजट में हर वर्ग की उपेक्षा की गई है। उन्होंने कहा कि बजट में राजस्थान का नाम तक नहीं लिया गया और हर बार की तरह राजस्थान के साथ भेदभाव हुआ है। ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना बनाने की घोषणा नहीं की गई। यमुना जल समझौते को लेकर भी कोई घोषणा नहीं हुई।

उन्होंने कहा कि देश गरीबी, महंगाई और बेरोजगारी से बुरी तरह त्रस्त है और इसमें महंगाई और रोजगार की दिशा में कोई घोषणा नहीं हुई। उन्होंने कहा कि मध्यम वर्ग से 'मोदी की लूट' निरंतर जारी रहेगी और नौकरी के बिना युवा ओवरएज हो जाएंगे। किसानों को फिर ठगा गया हैं और पुरानी पेंशन (ओपीएस) को लेकर निराशाजनक रवैया बरकरार है। उन्होंने कहा कि बजट में सिर्फ बिहार जैसे चुनावी राज्य पर फोकस था। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि असंवेदनशील मोदी सरकार की नीतियां सिर्फ अपने 'मित्रों' को लाभ पहुंचाने और अमीर एवं गरीब के बीच लगातार खाई बढ़ाने का काम कर रही है।

झुग्गी में आग लगने से 60 वर्षीय बुजुर्ग की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भरतपुर। बयाना थाना क्षेत्र में रेलवे स्टेशन के पीछे स्थित झुग्गियों में बुधवार सुबह भीषण आग लगने से 60 वर्षीय बुजुर्ग भारत पुत्र झम्मन सिंह की जिंदा जलकर मौत हो गई।

हादसे के वक्त बुजुर्ग अकेले झुग्गी में थे, क्योंकि उनके परिजन रोजमर्रा के काम के लिए सुबह ही निकल गए थे। मृतक भारत सिंह, जो पहले रेलवे स्टेशन पर कानों की सफाई का काम करते थे, पिछले एक साल से बीमार थे और चलने-फिरने में असमर्थ थे। सुबह 8 बजे के करीब झुग्गी में अचानक आग लग गई। तीन झुग्गियां आग की चपेट में आ गईं, लेकिन भारत सिंह बच नहीं सके और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही नगर पालिका की दमकल मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

मृतक की पत्नी गुड्डी देवी और चार बेटे आकाश, अमर, अजय और अमित हैं। आकाश टैक्सी ड्राइवर हैं, जो सुबह 5:00 बजे मथुरा के लिए रवाना हो गए थे। पत्नी और अन्य बेटे सुबह 5:30 बजे ही काम पर निकल गए थे। परिवार के अन्य सदस्य ट्रेनों में खिलौने और बैग जैकेट की चेन लगाने का काम करते हैं। बयाना कोतवाली थाना प्रभारी बाबूलाल सिंह ने बताया कि आग लगने की वजह की जांच की जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए बयाना अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है।

सरकार ने 53 आईएएस व 24 आईपीएस अधिकारियों के किए तबादले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान सरकार ने प्रशासनिक ढांचे में बड़ा बदलाव करते हुए भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के 53, भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के 24 व भारतीय वन सेवा (आईएफएस) के 34 अधिकारियों के तबादले किए हैं। इसके साथ ही राजस्थान प्रशासनिक सेवा (आरएएस) के 113 अधिकारियों के भी तबादले किए गए हैं। राज्य के कार्मिक विभाग ने शुक्रवार देर रात इस बारे में अलग-अलग आदेश जारी किए। आदेश के अनुसार जयपुर, कोटा, बीकानेर व उदयपुर में नए संभागीय आयुक्त नियुक्त किए गए हैं। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के वरिष्ठ अधिकारी आशुतोष पेडणेकर को ग्रामीण विकास सचिव के पद से हटाकर जनजातीय क्षेत्रीय विकास विभाग में शासन सचिव बनाया गया है।

आईएएस डॉ रविकुमार को बीकानेर, आईएएस पूनम को जयपुर, राजेंद्र सिंह को कोटा व प्रज्ञा केवलरमानी को उदयपुर का संभागीय आयुक्त नियुक्त किया गया है। इसी तरह अवधेश मीणा को सलूंबर, नमित मेहता को उदयपुर, जसमीत सिंह को भीलवाड़ा का जिलाधिकारी नियुक्त किया गया है।

समय पर कपड़े सिल कर नहीं दिए तो दर्जी को मार डाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर में एक दर्जी को पीट-पीट कर इसलिए मार डाला गया कि उसने कपड़े सिल कर समय पर नहीं दिए। इस खौफनाक वारदात को एक नाबालिग लड़के ने अंजाम दिया। पुलिस ने लड़के को हिरासत में ले लिया है। पुलिस ने कहा कि राजस्थान के जयपुर जिले में शुक्रवार को एक लड़के ने 60 साल के एक दर्जी की पीट-पीट कर हत्या कर दी। दर्जी उसके सिले हुए कपड़े को समय पर नहीं दे सका था। अधिकारियों ने बताया कि नाबालिग को हिरासत में लिया गया है और उससे पूछताछ की जा रही है।

पुलिस के मुताबिक घटना चोमू शहर के पक्का बंधा चौराहे पर देव अस्पताल के पास हुई। यहां सूरजमल प्रजापत की एक छोटी सी सिलाई की दुकान थी। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि नाबालिग अपने कपड़े मांगने आया।

जब प्रजापत ने उससे कहा कि कपड़े तैयार नहीं हैं, तो नाबालिग ने उसे लाठियों से पीटने लगा, जिससे उसकी मौत हो गई। चोमू थाने के एसएचओ प्रदीप शर्मा ने कहा कि आरोपी ने दर्जी की दुकान पर सिलाई के लिए कपड़े दिए थे। जब वे समय पर तैयार नहीं हुए तो उसे गुस्सा आ गया और उसने बुजुर्ग दर्जी पर लाठी से हमला कर दिया।

एसएचओ ने कहा कि पुलिस ने हमले में इस्तेमाल की गई लाठी बरामद कर ली है और घटनास्थल से सबूत एकत्र कर लिए हैं। मामले में जांच जारी है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए चोमू सरकारी अस्पताल भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम के बाद शव अंतिम संस्कार के लिए परिवार को सौंप दिया जाएगा।

अलवर में नौ को 21 किलोमीटर की होगी हाफ मैराथन

अलवर। राजस्थान के अलवर में सांसद खेल उत्सव के तहत आगामी नौ फरवरी को जिला मुख्यालय पर 21 किलोमीटर की हाफ मैराथन होगी। इसके अलावा 10 किलोमीटर, 5 किलोमीटर की मैराथन भी होगी। वहीं 2 किलोमीटर की पैरा मैराथन कराई जाएगी। जिला कलेक्टर डॉ. अर्तिका शुक्ला ने आज यहां बताया कि इस हाफ मैराथन में देश-विदेश से 10 हजार से अधिक एथलीट के आने की संभावना है, जिसकी तैयारी शुरू कर दी है। कलेक्टर ने शनिवार को अन्य विभागों के अधिकारियों के साथ हाफ मैराथन के रूट का मौका देखा। वहीं अधिकारियों को रूट को दुरुस्त करने के निर्देश दिए। जिसकी कार्य योजना बनाकर पूरे रूट को सही किया जाएगा। ताकि एथलीट को कोई परेशानी नहीं आए।

अलवर कलेक्टर डॉ. शुक्ला ने बताया कि अलवर टाइगर मैराथन में देश-विदेश के एथलीट आने की संभावना है। इसमें 10 से 15 हजार युवाओं के आने की संभावना है। इसके पूरे रूट का मौका देखा है। यह 21 किलोमीटर की हाफ मैराथन होगी। यह मैराथन प्रताप ऑडिटोरियम से शुरू होगी।

बजट से एनर्जी सेक्टर में होगा नई ऊर्जा का संचार : हीरालाल नागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने केन्द्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमन द्वारा प्रस्तुत आम बजट का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि बजट से देश एवं प्रदेश के गतिमान एनर्जी सेक्टर में नई ऊर्जा का संचार होगा। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि केन्द्र सरकार ने बजट के जरिए वितरण क्षेत्र में सुधार तथा प्रसारण क्षमता को सुदृढ़ करने की मंशा व्यक्त करते हुए राज्यों को सकल राज्य घरेलू उत्पाद के 0.5 प्रतिशत तक की अतिरिक्त बोरोइंग लिमिट की स्वीकृति दी है। इससे राज्य अधिक प्रतिबद्धता के साथ बेहतर वित्तीय प्रबंधन से पावर सेक्टर रिफॉर्म्स कर पाएंगे। इससे बिजली कंपनियों की क्षमता और वित्तीय स्थिति में सुधार आएगा। अन्ततः इसका लाभ प्रदेश में करीब डेढ़ करोड़ बिजली उपभोक्ताओं को अच्छी गुणवत्ता की बिजली आपूर्ति के रूप में होगा।

नागर ने कहा कि नेशनल मैन्यूफैक्चरिंग मिशन की घोषणा से सोलर पीवी सेल, ईवी बैटरियों, इलेक्ट्रोलाइजर, विंड टरबाइन, हाई वोल्टेज ट्रांसमिशन उपकरण और ग्रिड स्तरीय बैटरियों के स्वदेशी विनिर्माण का ईकोसिस्टम तैयार होगा। इससे आने वाले समय में भारत विश्व में सोलर तथा नवीकरणीय ऊर्जा उपकरणों के निर्माण का हब बनेगा। ऊर्जा मंत्री ने न्यूक्लिर एनर्जी मिशन के माध्यम से वर्ष-2047 तक देश में 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता के विस्तार तथा इसके लिए निजी सहभागिता से कम क्षमता के मॉड्यूलर रिएक्टर की योजना, जल जीवन मिशन की अवधि वर्ष 2028 तक बढ़ाने को भी प्रदेश के लिए महत्वपूर्ण बताया है। उन्होंने कहा कि बजट में 12 लाख रूपए तक की आय को टैक्स से छूट प्रदान करने का लाभ आम करदाता को होगा। नागर ने कहा कि यह बजट प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को फलीभूत करने की दिशा में सबसे महत्वपूर्ण देश के ऊर्जा क्षेत्र को और अधिक मजबूती प्रदान करेगा।

भाजपा ने कहा-बजट लक्ष्मी का वरदान

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राजस्थान इकाई ने शनिवार को पेश केंद्रीय बजट को मध्यम वर्ग के लिए लक्ष्मी का वरदान बताया, जबकि कांग्रेस ने इसे राजस्थान की उम्मीदों पर पानी फेरने वाला बजट करार दिया। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा, केंद्र सरकार ने 12 लाख रुपये तक की सालाना आय को कर मुक्त बनाते हुए देश के मध्यम वर्ग के लिए बड़ी घोषणा की है। यह बजट किसानों, युवाओं, महिलाओं और गरीबों के कल्याण एवं उत्थान के लिए मील का पत्थर साबित होगा ।

पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने 'एक्स' पर लिखा, इस बजट में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का भारत को विश्व की तीसरे नंबर की अर्थव्यवस्था बनाने का संकल्प है। यह बजट आर्थिक क्षेत्र को मजबूत बनाने वाला, उद्योगों को पंख देने वाला और युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने वाला है। राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, आज केंद्र सरकार ने जो बजट पेश किया है, वह राजस्थान के लोगों की उम्मीदों पर पूरी तरह से पानी फेरने वाला है।

मुलाकात

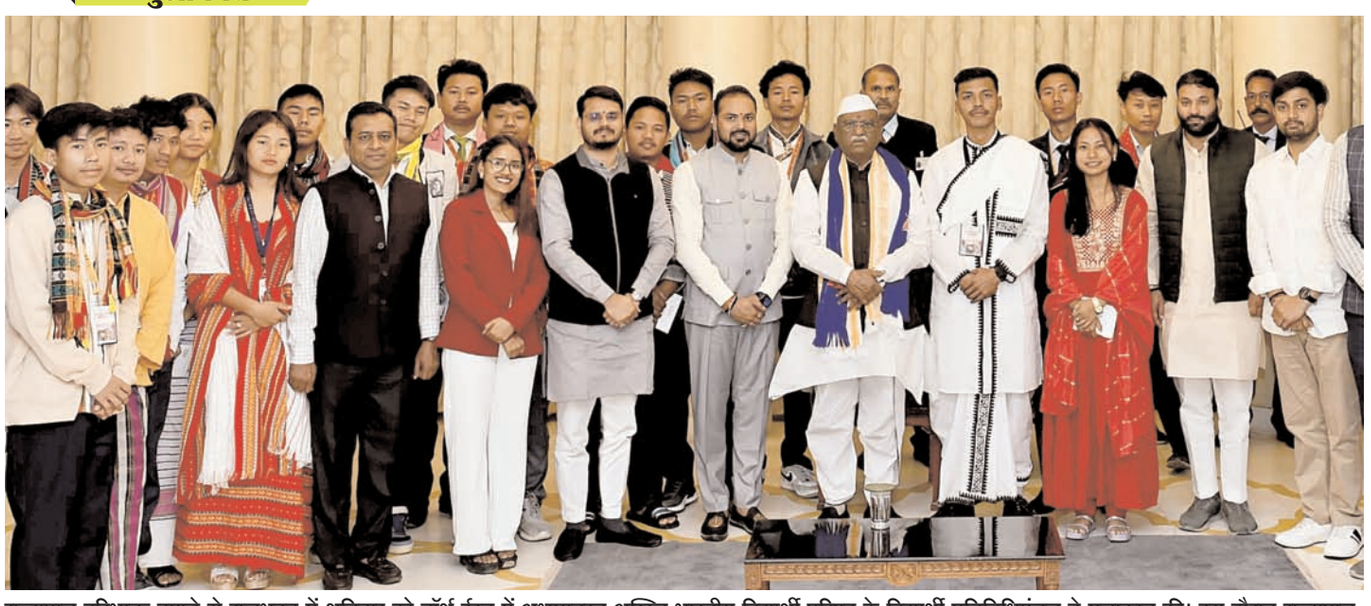

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े से राजभवन में शनिवार को नॉर्थ ईस्ट में अध्ययनरत अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के विद्यार्थी प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। इस दौरान राज्यपाल ने कहा कि यही एक भारत श्रेष्ठ भारत है, जिसमें राष्ट्र के सभी प्रांत अपनी विविधता में एकता लिए सम्मिलित हैं। उन्होंने विकसित भारत में युवाओं की भागीदारी का आह्वान किया।

केंद्रीय बजट में बिहार के लिए कई घोषणाएं

विपक्ष ने चुनाव से जोड़ा तो राजग ने किया पलटवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से शनिवार को पेश किए गए आम बजट में मखाना बोर्ड की स्थापना, पश्चिमी कोसी नहर के लिए वित्तीय सहायता और आईआईटी पटना की क्षमता में विस्तार सहित कई अन्य घोषणाएं कर बिहार को खास तवज्जो दी गई है।

कांग्रेस सहित विपक्षी नेताओं ने कहा कि बजट 2025 में आम लोगों और मध्यम वर्ग के लिए कुछ भी नहीं है तथा सरकार इसे आगामी बिहार विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखकर लाई है। हालांकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और इसके सहयोगी दलों ने इस आरोप को खारिज किया। बिहार में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होना है। वर्तमान में वहां जनता दल (यूनाइटेड) के नेता नीतीश कुमार के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार है।

लोकसभा में आम बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री ने यह भी घोषणा की कि केंद्र भविष्य की जरूरतों को पूरा करने के लिए राज्य में ग्रीनफील्ड हवाई अड्डों के निर्माण के अलावा बिहार में एक राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी, उद्यमिता और प्रबंधन संस्थान भी स्थापित

करेगा। पटना हवाई अड्डे की क्षमता का विस्तार किया जाना भी प्रमुख घोषणाओं में शामिल है। बिहार के मिथिलांचल क्षेत्र में पश्चिमी कोसी नहर परियोजना के लिए वित्तीय सहायता प्रदान किए जाने और आईआईटी, पटना में छात्रावास और एक अन्य बुनियादी ढांचा क्षमता के विस्तार की भी घोषणा हुई है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बजट की सराहना करते हुए कहा यह ''सकारात्मक'' है और इससे राज्य के विकास में तेजी लाने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को भी धन्यवाद दिया। नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल-यूनाइटेड (जद-यू) केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की प्रमुख घटक है। नीतीश ने एक बयान में कहा कि 'मखाना बोर्ड' की स्थापना के प्रस्ताव से मखाने की खेती को बढ़ावा मिलेगा, जिसके लिए राज्य दूर-दूर तक जाना जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि बजट में प्रस्तावित ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे उड़ान संपर्क सुधारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे, जिससे राज्य के आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि बजट में सिर्फ 'जुमलेबाजी' की गई है तथा पहले की गई घोषणाओं को वह नया बताकर फिर से पेश कर रही है। बिहार के वैशाली जिले में एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए उन्होंने नीतीश कुमार की राज्य के लिए अच्छा लाभ हासिल करने में कथित रूप से नाकाम रहने के लिए आलोचना की।हालांकि, राजद की सहयोगी कांग्रेस ने कहा कि ऐसा लगता है कि बिहार को घोषणाओं का खजाना मिल गया है। महासचिव जयराम रमेश ने बिहार से भाजपा के सहयोगी दल जद(यू) और आंध्र प्रदेश से तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के स्पष्ट संदर्भ में 'एक्स' पर कहा, यह स्वाभाविक है क्योंकि साल के अंत में वहां (बिहार) चुनाव होना है। लेकिन राजग के दूसरे स्तंभ यानी आंध्र प्रदेश को इतनी बुरी तरह से नजरअंदाज क्यों किया गया है?''

सहज स्मृति योग

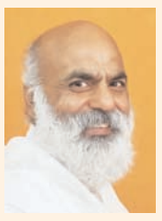

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी. मैंने सुना है कि, कल्पवास की अवधि वह अवसर होता है जिसमें दीक्षा का मुहूर्त शाश्वत स्वरूप से वर्तमान रहता है क्या यह सत्य है ?

उत्तर: तात्विक दृष्टि से देखने वाले दृष्टा ऋषियों द्वारा इस संसार और सृष्टि को परम कल्पना विहार कहा गया है इसलिए कल्पवास का सांकेतिक अर्थ यह भी तो होता ही है कि जीवन की जितनी अवधि मानव रूप में हम सबको मिली है वह सब के लिए एक अवसर है जिसका यथावत लाभ लेकर हरेक को जीवन-मुक्त हो जाना चाहिए। कुंभ में हो रहा कल्पवास इस अर्थ में और भी विशेष अवसर हो जाता है क्योंकि यहाँ एकत्र हुए एकीभाव में प्रतिष्ठित महात्माओं से मिलते मुक्ति और मोक्ष के इस भाव को प्राप्त होकर व्यक्ति के लोक कल्याणार्थ दूसरों के लिए सतत अवसर बने रहने की संभावना को और अधिक बढ़ा देता है । साधु, संतों के आशीर्वाद से तो प्रारब्ध भी कट जाता है और साधु संत तो स्वयं चलकर कुंभ में हमारे हितार्थ प्रकट होकर और परम सत समर्थ गुरु से मिलने का मार्ग खोल देते हैं। सत्संग तो जिसे कोई परम सत्य जानें, पहचानें और मानें उसी के साथ हो लेने को कहते हैं इससे अधिक और क्या स्पष्ट किया जाए!

बंगाल के मंत्री ने मुर्शिदाबाद में बांग्लादेश से लगी सीमा पर बाड़ लगाने की अपील की

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल सरकार में मंत्री अखरुज्जमां ने बांग्लादेश से लगी बिना बाड़ वाली सीमा पर मुर्शिदाबाद जिले में कुछ लोगों द्वारा गैरकानूनी गतिविधियों को बढ़ावा दिए जाने का जिक्र करते हुए शनिवार को अंतरराष्ट्रीय सीमा की बाड़बंदी करने के लिए तत्काल कदम उठाने की मांग की। मंत्री ने दावा किया कि कुछ बांग्लादेशी, जिले में बिना बाड़ वाली सीमा का फायदा उठाकर, भारतीय क्षेत्र घुस रहे हैं और फसल तथा अन्य सामग्री चुरा रहे हैं। बिजली मंत्री अखरुज्जमां ने कहा, ऐसी गतिविधियों को रोकने के लिए उन क्षेत्रों में स्थायी बाड़ लगाई जानी चाहिए, जहां अब तक बाड़ नहीं लगाई गई है। मुर्शिदाबाद के रघुनाथगंज निर्वाचन क्षेत्र से विधायक अखरुज्जमां ने कहा कि बीएसएफ और पश्चिम बंगाल पुलिस, दोनों ही ऐसी गतिविधियों को रोकने के लिए अपनी पूरी कोशिश कर रहे हैं, लेकिन जिले के कुछ इलाकों में बिना बाड़ वाली सीमाएं इसमें बाधा बन रही हैं।

असम भैंसों की पारंपरिक लड़ाई के आयोजन के लिए नया कानून लाएगा : हिमंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जागीरोड (असम)/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को कहा कि उनकी सरकार राज्य में भैंसों की पारंपरिक लड़ाई के आयोजन की अनुमति देने के लिए एक नया कानून लाएगी।

शर्मा ने यहां एक पुल का उद्घाटन करने के बाद जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार राज्य की विरासत को संरक्षित करने के लिए पहल करेगी। उन्होंने कहा, अहतगुरी में भैंसों की लड़ाई हमारी परंपरा और विरासत है। यहां तक कि उच्चतम न्यायालय ने भी इसे पारंपरिक खेल के रूप में मान्यता दी है। इसके दिशानिर्देशों का पालन करते हुए हम जल्द ही भैंसों की लड़ाई जैसे पारंपरिक खेलों को अनुमति देने वाला कानून लाएंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार बहुत जल्द विधानसभा में एक विधेयक पेश करेगी, जिसमें भैंसों की लड़ाई के खेल को कानूनी संरक्षण देने का प्रस्ताव किया जाएगा। शर्मा ने कहा, कानून के लागू होने से लोग भैंसों की पारंपरिक लड़ाई देख सकेंगे और उसका आनंद ले सकेंगे। पिछले साल दिसंबर में, गुवाहाटी उच्च न्यायालय ने असम सरकार के 2023 की मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) को रद्द कर दिया था, जिसके तहत हर साल जनवरी के महीने में माघ बिहू उत्सव के दौरान भैंस और बुलबुल पक्षियों की लड़ाई के खेलों की अनुमति दी गई थी। पिछले साल 15 जनवरी को असम सरकार द्वारा जारी दिशानिर्देशों के बाद, लगभग नौ साल के अंतराल के बाद बुलबुल पक्षियों की पारंपरिक लड़ाई का आयोजन किया गया था।

मणिपुर सरकार बाड़ लगाने,प्रवासियों की पहचान करने, मदाक पदार्थ से मुक्ति के लिए प्रतिबद्ध : एन बीरेन सिंह

इंफाल/भाषा। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने शनिवार को कहा कि प्रदेश सरकार सीमाओं पर बाड़ लगाने, नए प्रवासियों की पहचान करने और राज्य को मादक पदार्थों से पूरी तरह मुक्त करने के प्रति प्रतिबद्ध है। सिंह ने बिष्णुपुर जिले के कुम्बी में एक जनसंपर्क कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि भविष्य की पीढ़ियों को कोई और परेशानी न हो। उन्होंने कहा, हम सीमा पर बाड़ लगाने, नए प्रवासियों की पहचान करने, पास जारी कर विदेशियों के प्रवेश को नियंत्रित करने और राज्य को मादक पदार्थों से पूरी तरह मुक्ति दिलाने के अपने उद्देश्य के प्रति अडिग हैं। यह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राज्य सरकार का वादा है और जब तक ये हासिल नहीं हो जाते, हम रुकेंगे नहीं। मुख्यमंत्री ने कहा, केवल भाजपा ही मणिपुर और मूल लोगों को बचा सकती है। कोई अन्य पार्टी राज्य को नहीं बचा सकती क्योंकि उन्होंने केवल राज्य को विभाजित और नष्ट किया है। कई वर्षों से राज्य के लोग राज्य की छोटी आबादी की रक्षा के लिए 'इनर लाइन परमिट' लागू करने की मांग कर रहे थे, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा को छोड़कर किसी भी पार्टी ने इसे नहीं दिया।

दिल्ली विस चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी के आठ विधायक भाजपा में शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली में पांच फरवरी को होने वाले विधानसभा चुनाव से ठीक पहले शनिवार को आम आदमी पार्टी (आप) के आठ विधायक भाजपा में शामिल हो गए। शुक्रवार को सभी आठ विधायकों ने कथित भ्रष्टाचार और अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली पार्टी के अपनी विचारधारा से भटकने जैसे आरोप लगाते हुए आप की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था।

इन सभी आठ विधायकों को इस बार आप ने विधानसभा चुनाव में टिकट देने से इनकार कर दिया था। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने वाले विधायकों में भावना गौड़ (पालम), रोहित मेहरौलिया (त्रिलोकपुरी), गिरीश सोनी (मादीपुर), मदन लाल (कस्तूरबा नगर), राजेश ऋषि (उत्तम नगर), बी एस जून (बिजवासन), नरेश यादव (महरौली) और पवन शर्मा (आदर्श नगर) शामिल हैं। आप से इस्तीफा देने वाले विधायकों ने कहा है कि उन्होंने सदन की सदस्यता छोड़ते हुए विधानसभा अध्यक्ष को भी अपना त्यागपत्र भेज दिया है। आप के पूर्व विधायक विजेंद्र गर्ग और केजरीवाल के नेतृत्व वाली पार्टी के कई अन्य नेता भी भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पार्टी के दिल्ली प्रभारी बैजयंत पांडा और प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा की मौजूदगी में भाजपा में शामिल हुए।

झारखंड: पलामू में नौ किलो वजनी आईईडी बरामद, नष्ट किया गया

मेदिनीनगर/भाषा। झारखंड के पलामू जिले में सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने के लिए नक्सलियों द्वारा लगाए गए करीब नौ किलोग्राम वजनी एक देशी संवर्धित विस्फोटक (आईईडी) को बरामद कर सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया गया। पुलिस के एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। तलाशी अभियान के दौरान दुधिया के वन क्षेत्र में आईईडी बरामद किया गया। अधिकारी ने बताया कि पास की झाड़ियों में छिपाकर रखी गई एक देसी बंदूक भी बरामद की गई।

पलामू की पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन ने बताया कि इलाके में तीन शीर्ष नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद पुलिस की चार टीमें गठित की गई थीं। उन्होंने बताया कि पुलिस की टीमें 10 गांवों से होते हुए दुधिया के पास पहुंचीं, जहां आईईडी बरामद किया गया। रमेशन ने बताया, आईईडी को सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया गया। अधिकारी ने बताया कि स्वघोषित नक्सली क्षेत्रीय कमांडर नितेश यादव, जोनल कमांडर संजय यादव और इम्तियाज अंसारी हमला करने के लिए इलाके में घूम रहे थे। उन्होंने बताया कि नितेश पर 15 लाख रुपए और संजय पर 10 लाख रुपए का इनाम है।

इंटरनेशनल मास्टर्स लीग में इंडिया मास्टर्स की तरफ से खेलेंगे युवराज

मुंबई/भाषा। दो बार के विश्व कप विजेता और बाएं हाथ के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक युवराज सिंह 22 फरवरी से 16 मार्च तक होने वाले इंटरनेशनल मास्टर्स लीग (आईएमएल) के पहले सत्र में इंडिया मास्टर्स का प्रतिनिधित्व करेंगे।

युवराज ने 2007 में खेले गए पहले टी20 विश्व कप में भारत को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। इस प्रतियोगिता में उन्होंने इंग्लैंड के तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड के एक ओवर में छह छक्के लगाए थे।

इसके बाद उन्होंने 2011 में भारत की वनडे विश्व कप में जीत में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्हें अपने ऑलराउंड खेल के कारण इस टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया था।

युवराज सिंह के अलावा दक्षिण अफ्रीका के जेपी डुमिनी और श्रीलंका के उपुल थरंगा ने भी इस टूर्नामेंट में खेलने की पुष्टि कर दी है।

डुमिनी दक्षिण अफ्रीका मास्टर्स के लिए खेलेंगे जबकि थरंगा श्रीलंका मास्टर्स का प्रतिनिधित्व करेंगे।

दिल्ली में आप के खिलाफ लहर, उसके नेता भी यह जानते हैं : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने आम आदमी पार्टी (आप) पर भ्रष्टाचार में लिप्त होने और अवैध प्रवासियों को शरण देने का आरोप लगाते हुए शनिवार को कहा कि दिल्ली में पार्टी के खिलाफ बड़ी लहर है, क्योंकि वह ''घपला, घुसपैठियों को पनाह और घोटाला'' की ''3जी'' सरकार चला रही है। शाह ने कहा, पहले 'जी' का मतलब है 'घोटाले वाली सरकार' (घोटाले करने वाली सरकार), दूसरे 'जी' का मतलब है 'घुसपैठियों को पनाह देने वाली सरकार' और तीसरे 'जी' का मतलब है 'घपले करने वाली सरकार' (भ्रष्टाचार में लिप्त सरकार)है। उन्होंने अन्य बातों के अलावा शहर में घुसपैठियों के मुद्दे को भी रेखांकित किया।

शाह ने मुस्तफाबाद विधानसभा क्षेत्र में एक जनसभा को संबोधित करते हुए दावा किया कि आप के नेता भी जानते हैं कि इस चुनाव में उनकी पार्टी के खिलाफ 'लहर' है। उन्होंने जनसभा में मौजूद लोगों से कहा, लोग इस बार झाड़ू (आप का चुनाव चिह्न भी है)से आप को बहार देंगे... क्योंकि वे जानते हैं कि दिल्ली में 3जी सरकार है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने लोगों से दिल्ली के विकास के लिए भाजपा को वोट देने की अपील करते हुए कहा कि अब समय आ गया है कि दिल्ली को इस 'आप-दा, शराब माफिया, घोटालों से मुक्त किया जाए और 'कट्टर बेईमानों' को जड़ से उखाड़ फेंका जाए।

गाजियाबाद में पांच दर्जन से अधिक रसोई गैस सिलेंडर फटे, मची अफरा-तफरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गाजियाबाद (उप्र)/भाषा। गाजियाबाद जिले के लोनी क्षेत्र में शनिवार तड़के एक ट्रक में आग लगने से उसमें रखे 60 से ज्यादा रसोई गैस सिलेंडर में एक के बाद एक जोरदार विस्फोट हुए। दमकल विभाग ने यह जानकारी दी।

इस घटना से इलाके में दहशत और अफरा-तफरी फैल गई और लोग अपने-अपने घरों से निकलकर भागने लगे। हालांकि इसमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। लोनी क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक नंद किशोर गुर्जर ने इस घटना की जांच की मांग की है।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि लोनी क्षेत्र में स्थित भारत गैस फिलिंग प्लांट से गाजियाबाद की ओर जा रहे रसोई गैस सिलेंडर से भरे ट्रक में आज तड़के करीब चार बजे आग लग गई। यह आग संभवत: गैस सिलेंडर में घर्षण के कारण लगी। उन्होंने बताया कि ट्रक में आग लगी देख चालक ने अपने वाहन को एक पेट्रोल पंप के पास खड़ा कर दिया।

इस दौरान एक के बाद एक 60 से अधिक सिलेंडर फटकर दूर जा गिरे, जिससे पुराने फर्नीचर की चार से पांच दुकानों में आग लग गई। उन्होंने कहा कि घरों और सड़क किनारे खड़े कुछ वाहन भी जल गए हैं, हालांकि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ।

पाल ने बताया कि आग बुझाने के लिए दमकल की आठ से अधिक गाड़ियों को लगाया गया था, करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद दमकल कर्मियों ने आग पर काबू कर लिया।

मैं पहले की तुलना में काफी परिपक्व हो गया हूं: शशिकुमार मुकुंद

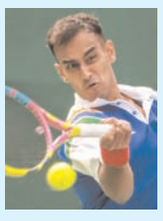

नई दिल्ली/भाषा। अनुशासनात्मक आधार पर निलंबन से वापसी कर डेविस कप मुकाबले में पहली बार जीत का स्वाद चखने वाले भारतीय खिलाड़ी शशिकुमार मुकुंद ने शनिवार को यहां कि वह पहले की तुलना में काफी परिपक्व हुए है। मुकुंद ने 2023 में लखनऊ में मोरक्को के खिलाफ मैच में भारत के लिए पदार्पण किया था लेकिन इसके बाद उन पर अनुशासनात्मक आधार पर अखिल भारतीय टेनिस महासंघ (एआईटीए) ने निलंबन लगा दिया था। भारत के 28 वर्षीय खिलाड़ी ने डीएलटीए कॉम्प्लेक्स में शुरुआती एकल के एक घंटे 15 मिनट तक चले मैच में टोगो के लिओवा अयित अजावोन पर सीधे सेटों में 6-2 6-1 से आसान जीत हासिल की। मुकुंद ने शुरुआती दिन के मैच के बाद कहा, हमने अधिकतर समय अपने खेल में गलतियां नहीं की। जिस तरह से मैंने पूरी स्थिति को संभाला उससे मैं वास्तव में खुद से खुश हूं। मुझे लगता है कि पहले की तुलना में मैंने अपने अंदर काफी परिपक्वता महसूस कर रहा है। उन्होंने कहा, मैं दबाव में था। मैं पूरी तरह से फिट महसूस कर रहा था। मुझे अगल तीन घंटे तक खेलना पड़ता तो मैं उसके लिए तैयार था। सुबह से ही मानसिक शांति महसूस कर रहा था।

बल्लेबाजी हमेशा से मेरे दिल के अधिक करीब रही है: पंड्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। दिग्गज भारतीय खिलाड़ी हार्दिक पंड्या को खेल के दोनों पहलुओं में महारत हासिल है लेकिन वह बल्लेबाजी की सफलता को अपने दिल के करीब रखते हैं क्योंकि जब भी वह बड़ा स्कोर बनाकर जीत में योगदान देते है तो यह उनके लिए किसी 'अद्भुत' एहसास की तरह होता है।

पंड्या ने शुक्रवार को इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टी20 मैच में बल्ले से एक और प्रभावी प्रदर्शन करते हुए 53 रन की पारी खेली। वह इस मैच में शिवम दुबे के साथ संयुक्त रूप से सर्वाधिक स्कोर बनाने वाले खिलाड़ी रहे। उनकी अर्धशतकीय पारी से भारत 15 रन से मैच जीतने के साथ ही पांच मैचों की श्रृंखला में 3-1 की अजेय बढ़त हासिल करने में सफल रहा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से ट्वीटर पर पोस्ट वीडियो में पंड्या ने कहा, बल्लेबाजी मेरी पहली पसंद है या मेरे दिल के अधिक करीब है। यह मेरे लिए काफी संतुष्ट करने वाला दिन रहा। इस तरह का योगदान सोने से पहले मुझे एक अद्भुत एहसास देता है और उसके बाद मुझे हमेशा अच्छी नींद आती है। पंड्या ने पिछले साल वेस्टइंडीज में टी20 विश्व कप में अपनी गेंदबाजी से कमाल करते हुए भारत को चैंपियन बनाने में अहम योगदान दिया था। उन्होंने कहा कि क्रिकेट उनके लिए जीवन जीने का एक तरीका है और वह बाकी सभी चीजों पर इसे प्राथमिकता देते हैं। पंड्या ने कहा, मैं इस खेल को बहुत ज्यादा पसंद करता हूं। यह मेरा जीवन रहा है, यह मेरी प्राथमिकता रही है, यह मेरा पहला प्यार रहा है। खेल ज्यादा इंतजार नहीं करता है, इसमें आपको मेहनत का फल मिलता है।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल में तीन विकेट लेकर भारत को 17 साल बाद टी20 विश्व कप दिलाने वाले पंड्या ने कहा, खेल ने मुझे इतना प्यार दिया है कि मुझे हमेशा ऐसा लगता है कि मुझे खेल के प्रति बहुत ईमानदार और बहुत वफादार बनना होगा। इस हरफनमौला खिलाड़ी ने कहा कि उनके प्रशंसक उनकी सबसे बड़ी संपत्ति है और वह उन्हें यथासंभव खुशी देना चाहते हैं। उन्होंने कहा, मैं हमेशा ऐसा व्यक्ति रहा हूं जो प्रशंसकों के लिए खेलता है। प्रशंसको की मौजूदगी और उनके नारे से इससे मुझे अतिरिक्त प्रेरणा मिलती है। मैं वास्तव में उनके लिए अच्छा प्रदर्शन करना चाहता हूं। पंड्या के लिए अमेरिका और वेस्टइंडीज में खेले गए टी20 विश्व कप जीतना किसी सपने के सच होने जैसा था। वैश्विक सफलता के बाद पंड्या के लिए चीजें काफी बदल गई हैं।

पंड्या ने कहा, विश्व कप के बाद बहुत सी चीजें बदल गई हैं। मुझे वास्तव में दर्शकों का मनोरंजन करना और यह सुनिश्चित करना पसंद है कि उन्होंने जो भी पैसा खर्च किया है वह सार्थक हो।

कोहली को नहीं मिला दूसरी पारी में खेलने का मौका, दिल्ली पारी से जीती, झारखंड की जीत में चमके उत्कर्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। ऑफ स्पिनर शिवम शर्मा के पांच विकेट की बदौलत दिल्ली ने शनिवार को यहां रणजी ट्रॉफी लीग में अपने अभियान का अंत रेलवे पर पर बोनस अंक की जीत दर्ज करके किया। दिन की शुरुआत सात विकेट पर 334 रन से करने वाली दिल्ली ने पहली पारी में 374 रन बनाकर 133 रन की बढ़त हासिल की।

रेलवे के बल्लेबाजों ने कुछ लापरवाही भरे शॉट खेले जिससे मैच परिणाम जल्दी निकल गया। दोपहर के सत्र में रेलवे की टीम 30.4 ओवर में 114 रन पर ऑल आउट हो गई और उसे पारी तथा 19 रन से हार का सामना करना पड़ा। इस जीत से दिल्ली को बोनस सहित सात अंक मिले। इस नतीजे से दर्शक मैच में दूसरी बार स्टार बल्लेबाज विराट कोहली को बल्लेबाजी करते हुए देखने से महरूम हो गए। दिल्ली के लिए सुमित माथुर (86) रात के 78 रन को शतक में तब्दील नहीं कर सके क्योंकि दूसरे दिन कोहली का विकेट झटकने वाले हिमांशु सांगवान ने उन्हें पगबाधा आउट किया और चार विकेट चटकाए। दिल्ली की यह इस सत्र की दूसरी जीत थी। दिल्ली ग्रुप में 21 अंक के साथ तीसरे स्थान रही। सौराष्ट्र और तमिलनाडु ने एक समान 25-25 अंक हासिल कर नॉकआउट में अपनी जगह पक्की की। इस मैच में सिर्फ एक खिलाड़ी कोहली ने पूरे देश का ध्यान आकर्षित किया था जिन्होंने 13 साल बाद रणजी ट्रॉफी में वापसी की।

सुविचार

कुछ लोगों को ऊँचाई पर पहुंचने की इतनी जल्दी होती है की छोटे लोगों के हाथ पकड़ने की बजाय बड़े लोगों के पाँव पकड़ना पसंद करते है।

ट्वीट

ये बजट, देश के नागरिकों की जेब कैसे भरेगा, देश के नागरिकों की बचत कैसे बढ़ेगी और देश के नागरिक विकास के भागीदार कैसे बनेंगे... ये बजट इसकी एक बहुत मजबूत नींव रखता है।

-नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने पिछले दस साल में बहुमुखी विकास किया है। अब अपने तीसरे कार्यकाल में विकास की नई इबारत लिखते हुए गरीब और मध्यम वर्ग की आय बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है।

-मदन राठौड़

कहानी

उजाला

पिछले कई दिनों से तेज धूलभरी आंधी के बाद शुरु हुई कहीं तेज तो कहीं धीमी बारिश की बौछारों से सर्द मौसम को और सर्द कर दिया था। बावजूद इसके मुझे अपने मामाजी के पौत्र रोहन के विवाह में उनके शहर जाना ही था। मामाजी ने दूसरे पुत्र रमेश के लड़के रोहन के विवाह से एक दिन पूर्व उसकी रिंग सेरेमनी और वैवाहिक कार्यक्रम के लिए घर छोटा होने के कारण अपने घर के पास ही बने एक भव्य भवन में व्यवस्था करी थी। मामाजी के परिवार से आत्मीय संबंध होने के कारण मुझे भी सपरिवार उस कार्यक्रम में शामिल होना था। अपने पति की नौकरी और दोनों बच्चों की पढ़ाई की व्यस्तता के कारण मैं अकेली ही रोहन की सगाई वाले दिन अपने शहर से सुबह वाली ट्रेन से रवाना हो गई। यह ट्रेन मामाजी के शहर शाम को चार बजे पहुंचती है। रास्ते भर मौसम खराब ही रहा। कांच की बंद खिड़की से बाहर सब धुंधला ही नजर आ रहा था। अकेले बैठे हुए मेरे दिमाग में रोहन के विवाह को लेकर कई प्रश्नों के बवंडर उठने लगे। उन प्रश्नों के जवाब ढूंढते-ढूंढते मैं आंखें मूंदे मामाजी के परिवार के बारे में सोचने लगी।

शहर में मामाजी की किराने के सामान की पुरानी और मशहूर दुकान है। मामाजी ने अपने चार बेटों और एक बेटी से भरेपूरे परिवार की परवरिश इसी दुकान की आमदनी से की थी। मेरी अम्मा जिनकी मृत्यु हो चुकी है ,मामाजी उनके छोटे भाई हैं। मामाजी के सभी बच्चे उम्र में मुझसे छोटे हैं। अपने पांचों बच्चों का विवाह कर घरेलू जिम्मेदारियों से मुक्त बुजुर्ग मामाजी और मामाजी संयुक्त परिवार में अपना अधिकतर समय पूजा पाठ में ही बिताते हैं। बड़े बेटे अमर के दोनों पुत्रों ,राजन और रमन का विवाह हो चुका है। मामाजी के दूसरे बेटे रमेश के दो पुत्र हैं, रोहन और राकेश। बेटी का विवाह दूसरे शहर में किया है। मामाजी की दुकान बहुत पहले से ही रमेश और रोहन संभालते आ रहे हैं। अमर और उसके दोनों लड़के अलग - अलग जगह प्राइवेट कम्पनी में काम करते थे। मामाजी के छोटे दोनों बेटों के नियमित आय का कोई साधन नहीं है। उनके बच्चों के नाम भी मुझे याद नही। सामाजिक मूल्यों,रुढ़िवादी परम्पराओं और रीति-रिवाजों की चौखट में रहने वाले मामाजी के खुशहाल परिवार में लगभग आठ महीने महिने पहले अचानक आए तूफान ने परिवार की जड़ों को ही हिला कर रख दिया था।

अमर के बड़े बेटे राजन का पड़ोस के डॉक्टर द्वारा इलाज के बावजूद कई दिनों से बुखार उतरने की बजाय शरीर भी पीला पड़ता जा रहा था। तबीयत ज्यादा बिगड़ने के कारण राजन को इलाज के लिए स्थानीय बड़े हॉस्पिटल में भर्ती कराया। वहां के डॉक्टर ने उसकी जरुरी ब्लड जांच करवाकर उसे पीलिया रोग होना बताया और इलाज भी शुरु कर दिया। राजन की पत्नी नेहा ने राजन की जी जान से सेवा करी। लेकिन पीलिया बिगड़ने के कारण तीस वर्ष की उम्र वाले राजन का लीवर खराब हो गया था। इससे पहले कि उसे बेहतर इलाज के लिए किसी अन्य जगह ले जाया जाता वह हिपेटिक एन्सेफ्लोपथी के कारण कोमा में चला गया। कुछ दिन कोमा में रहने के बाद एक रात उसके दिल की धड़कनें हमेशा के लिए सो गईं। जिसे हॉस्पिटल से भला चंगा होकर घर आना था वह बिना घर लौटे ही एक अंतहीन यात्रा पर चला गया। वह रात मामाजी के परिवार के लिए खौफनाक मंजर में तब्दील हो गई थी। राजन की बेजान देह को देखकर नेहा यह सदमा बर्दाश्त नहीं कर सकी और उसकी,मामाजी और मामीजी की तो मानो आवाज ही गुम हो गई। इस हादसे से अमर और उसकी पत्नी का मानसिक संतुलन बिगड़ गया और आज भी उनका साइकिएट्रिक डॉक्टर से इलाज चल रहा है। कम्पनी ने भी मानसिक अस्वस्थ होने के कारण अमर को नौकरी से निकाल दिया। राजन की असमय मृत्यु के बाद वह तो पारिवारिक कारणों से मामाजी के परिवार से मिलने नहीं आ सकी परन्तु उसने अपने पति को भेजा था।

गुजरते वक़्त के साथ घर चलाने का सारा जिम्मा रमेश के कन्धों पर आ गया था। वह जो कमाकर लाता, उससे ही घर का चूल्हा जलता था। वह घर का कमाऊ पूत और कर्ता धर्ता था। घर में उस की हर बात मानी जाती थी। फिर वह बात सही हो या गलत, कोई भी अपना विवेक काम में लेने वाली स्थिति में नही था। सभी उस पर आश्रित थे। यह सब सोचते-सोचते मेरी आंख कब लग गई पता ही नहीं चला।आंख खुली तो देखा कि मामाजी का शहर आ चुका था। यहां मौसम ठीक था।आसमान साफ था।

शाम ढलने से पहले ही मैं मामाजी के घर के पास वैवाहिक कार्यक्रम वाले भवन पहुंच गई। वहीं एक कमरे में मुझे ठहराया गया। एक लंबे अरसे बाद मामाजी, मामीजी और परिवार के अन्य सदस्यों से मुलाकात हुई थी। शाम ढलते ही पूरा भवन रोशनी से जगमगा उठा था। एक बड़े हॉल में रिंग सेरेमनी के लिए स्टेज और परिवारजनों, जानकारों के बैठने की व्यवस्था के साथ ही संगीत, नाच-गाने के लिए डी जे साउंड और डी जे फ्लोर था। डी जे का तेज संगीत दूर तक सुनाई दे रहा था। रंग बिरंगी पोशाक पहने बच्चे और युवा मग्न होकर डी जे फ्लोर पर थिरक रहे थे। वर पक्ष के पुरुष और महिलाओं के पहनावे का विशेष ड्रेस कोड था। ज्यादातर पुरुष एक ही तरह की और महिलाएं भी एक ही तरह की ही वेशभूषा में थे। तेज आवाज में आपस में किसी की आवाज सुनाई नहीं दे रही थी। वहां ख़ुशी और उल्लास का माहौल था। दूसरे बड़े हॉल में खाने की व्यवस्था की गई थी। तरह-तरह के व्यंजन अपनी खुश्बू से सभी को आकर्षित कर रहे थे। हॉल के साथ ही ठहरने के लिए कमरे बने हुए थे। बाहर लॉन में भी सजावट के साथ बैठने की व्यवस्था थी। रिंग सेरेमनी के समय सर्द मौसम में बिना गर्म कपड़े पहने या ओढे आधुनिक पोशाक में रमेश और रोहन के ससुराल के परिवार की बहुत सी भद्र महिलाएं सर्दी को मात देते हुए गहरे मेकअप से सजी हुई अपने को एक दूसरे से बेहतर दिखाने की कोशिश में लगी थीं। वहां सभी अपने में ही व्यस्त कार्यक्रम का लुत्फ़ उठा रहे थे। एक कमरे में मामाजी,मामीजी ,अमर और बड़ी पुत्रवधू के साथ नि:शब्द बैठे थे। रमेश अपनी पत्नी और छोटे बेटे के साथ बाहर नाचने में व्यस्त था। अमर के दिवंगत पुत्र राजन की पत्नी नेहा बहुत ढूंढने पर वहां कहीं भी नजर नहीं आई तो मामीजी से पूछने पर पता चला कि वह घर पर ही है और मुझे उसे भवन में लाने के लिए कहा।

पहले तो यह सुनकर मुझे आश्चर्य हुआ कि अभी तक उसे वहां क्यों नहीं बुलाया गया! घर पास ही होने के कारण मैं नेहा को बुलाने चली गई। मेरे मन में कई प्रश्नों के बवंडर फिर से उठने लगे। नेहा के पति राजन की मृत्यु हुए अभी सात महीने ही तो हुए थे,मामाजी का परिवार अपने बड़े पौत्र की पहली बरसी तक तो रुकता और उसके बाद छोटे पौत्र रोहन का विवाह करता? नेहा कैसी है और उसके भविष्य का क्या होगा? रौशनी में नहाए शर्मा जी के घर में तेज कदमों से प्रवेश करते हुए मैंने नेहा को आवाज लगाई। नीचे किसी भी कोने से कोई जवाब न पाकर हड़बड़ाते कदमों से मैंने ऊपर की मंजिल पर जाकर वहां बने कमरों में भी नेहा को आवाज लगाते हुए ढूंढा। एक अंधेरे कमरे में भी उसे पुकारा , लेकिन वह कहीं नहीं मिली। मेरे मन में अजीब सा डर पैदा होने लगा और गला सूखने के साथ पूरा शरीर सर्दी में भी पसीने -पसीने हो गया था। दिमाग में नकारात्मक विचार जन्म लेने लगे थे। एक बार तो ऐसा लगा मानो शरीर में जान ही नहीं। मैं डर के मारे धीमे कदमों से नीचे जाने वाली सीढ़ियों की ओर बढ़ने लगी। अचानक एक चीख ने मुझे और डरा दिया। यह चीख मेरे मन मस्तिष्क की गहराइयों में चुभ सी गई। मैंने अंदाजा लगाया कि यह आवाज शायद अंधेरे कमरे में से आई थी। बड़ी मुश्किल से हिम्मत जुटाकर मैं उस कमरे में गई और लाइट जलाई तो वहां के मंजर ने मुझे अंदर तक झकझोर दिया।

अजीब सी खामोशी छाई थी वहां। ऐसा लग रहा था मैं किसी मरघट में आ गई थी। नेहा सफेद कपड़ों में मानो बिना आत्मा अपना शरीर लिए एक कोने में बैठी थी। उसकी सूनी कलाई और सूने माथे के चारों ओर निराकार शून्य था। उसकी हथेलियों पर मेहंदी नहीं कहीं - कहीं खून की सुर्खी जरुर थी। मैंने उसे लगभग अर्ध बेहोशी की हालत में उठाकर बिस्तर पर लेटाया और भागकर उसके लिए पानी का गिलास लेकर आयी। उसे पानी पिलाकर मैं आश्चर्यचकित सी उसका चेहरा देखने लगी। मैं उसके चेहरे के पीछे छिपे दर्द को पढ़ पा रही थी। कभी फूलों की भीनी खुश्बू से हमेशा महकता होगा उसका कमरा आज सूना पड़ा था। कमरे में चारों ओर अंधेरा और खौफनाक सन्नाटा पसरा हुआ था। शाम ढल जाने के बाद भी उसने बत्ती नही जलाई थी। बाहर हर ओर उजाला होने के बावजूद उसे पता नहीं था कि उसके जीवन में उजाला कब होगा। उसके जीवन में चारों ओर अजीब सा खालीपन था। उसने गमनाक आंखों से एक लम्हा मेरी ओर देखा फिर उसकी घनी पलकें गालों पर झुक गईं। उसकी खूबसूरत आंखों में छिपी मासूमियत उसकी तन्हाई और जीवन में आए खालीपन को बयाँ कर रही थी। राजन की मृत्यु ने उसके वजूद को ही बिखेर कर रख दिया था।

कुछ महीने पहले आया यह तूफान उसके वजूद को हिलाकर मानो सब कुछ समेटकर ले गया। यह तूफान उसकी जिंदगी के मकसद को ही निगल गया और पीछे छोड़ गया कभी हंसते खेलते उसके जहान की यादों के खण्डहर में खामोश पड़ी सूनी कब्रें। इधर-उधर बिखर चुके अपनी ज़िंदगी की किताब के कभी उम्मीदों से भरे पन्नों को अकेले ही ढूंढते हुए वह खुद बर्फ सी हो गई थी। तूफान के बाद अपने साथ आधे-अधूरे मन से निभाए जा रहे खण्डित होते रिश्तों में बंधी वह अकेलेपन को झेलती बेचैन सी थी। दीवार पर टंगी राजन की तस्वीर को निहारने के अलावा शायद उसकी जिंदगी में कुछ बचा नहीं था।उसकी नींद गायब हो चुकी थी उसे सहारे की जरुरत थी।

मैंने अपना हाथ उसके सिर पर फेरा तो वह आश्चर्य से मेरी ओर देखने लगी। छोटी उम्र में ही इतना बड़ा हादसा सहकर वह खामोश बैठी थी। उसकी आंखों की खामोशी को दर्द ने सन्नाटे में बदल दिया था। यह सन्नाटा खुद ब खुद कब पिघलेगा किसी को पता नहीं था। उसकी आंखों की उदासी और उनकी फिजां बिना बोले ही उसके हालात को बयाँ कर रहे थे। तन्हाई और दर्द का अहसास उसकी जिंदगी का अहम हिस्सा बनते नज़र आ रहे थे। ज़िंदगी में आए सूनेपन और तन्हाई के दैत्य ने मानो उसके व्यक्तित्व को ही अपने पंजे में जकड़ लिया था। उसकी नम आंखों में अभी भी ढेर सारा प्यार महसूस करते हुए मेरा वजूद पिघलने सा लगा। मेरे मन में उसके प्रति प्यार का अथाह सागर बसा था। मेरी आंखों में पानी आ गया और भरभराते गले से मैने उससे भवन चलने के लिए कहा।

वह चुप बैठी हुई छत को देखते हुए शायद मन ही मन खुद से बात कर रही थी। मुझसे आंखें मिलाने से कतरा रही थी। मैंने महसूस किया कि उसमें हो रहे बदलाव और उसकी आंखों में बुने भविष्य के सुनहरे ख़्वाबों का बुझना उसकी ज़िंदगी को जहन्नुम बना रहा थे। उस समय उसका हर किस्म के जज्बात से विहीन भोला-भाला चेहरा उसके अंदर गहराई तक फैल रहे दर्द को छुपाने का असफल प्रयास कर रहा था। हालात के नुकीले पत्थरों से टकराकर दर्द अपना अहसास करवा रहा था। उसके पास कुछ कहने के लिए शायद शब्द खत्म हो गए थे। लेकिन उसकी जिंदगी के कोरे पन्नों पर अपनी कहानी उसे खुद लिखनी थी।

राजन की असमय मृत्यु से बेइंतहा दर्द झेलते हुए कुछ देर बाद आखिरकार उसके सब्र का बांध टूट गया और आंखों में आंसू छलक गए।

वह मुझसे लिपटकर हिचकियां लेकर रोने लगी। मेरे सांत्वना देने और बहुत समझाने के बहुत देर बाद उसने किसी तरह खुद को संभाला और कहने लगी, बुआजी, कौन रोहन की रिंग सेरेमनी और विवाह में शामिल होना नहीं चाहता? कोई मुझे कहने वाला तो हो। मैं भी हंसना चाहती हूं लेकिन कोई साथ देने वाला भी तो हो। वैवाहिक ज़िंदगी के सफर पर मेरे साथ निकले राजन ने चार साल में कुछ दूरी तक सफर साथ में तय कर, अपने होने से मेरे वजूद से बेखबर खुद की ज़िंदगी की राह ही बदल ली। उनके जाने के बाद सब कुछ वीरान है यहां। जिस तरफ देखती हूं वीराना ही दिखता है। कुछ करना भी चाहती हूं तो अंधेरा ही हाथ आता है। राजन की मृत्यु के बाद मेरे सास-ससुर और दादाजी-दादीजी अपनी ही दुनिया में सिमटकर रह गए हैं। रोहन का विवाह राजन की बरसी के बाद करने की दादाजी-दादीजी की बात को रमेश चाचा ने नहीं माना। रमेश चाचा और उनकी पत्नी मुझे किसी काम में नहीं बुलाते हैं और न ही आगे आने देते हैं। हमेशा मुझे राजन की बरसी से पहले घर की चौखट के बाहर कदम नहीं रखने का कहते रहते हैं। मुझे मनहूस समझते हैं और राजन की मृत्यु का जिम्मेवार मुझे ही मानते हैं। मेरी ज़िंदगी इस कमरे की चार दीवारों में सिमटकर रह गई है। जब भी टूटे लम्हों को समेटने की कोशिश करती हूं तो वो बिखरने लगते हैं। मुझे अब उनकी यादों के सहारे ही ज़िंदगी गुजारनी है। यहां किसी को भी मेरे होने या न होने से कोई फर्क नहीं पड़ता। राजन मेरे लिए सबसे बड़ी शक्ति और संबल थे। उनके होते मेरे साथ इस तरह का व्यवहार कोई नहीं कर सकता था। यह कहते हुए उसकी आंखों से दर्द बह रहा था।

नेहा के दर्द को शब्दों में बयाँ नहीं किया जा सकता था। उसके जीवन में कठिनाइयां बहुत थी लेकिन मामाजी के परिवार में खोखले होते रिश्तों की कड़वाहट उसके पैरों के नीचे की जमीन को भी खींच लेती थी। वह खुद को संभाल पाती इससे पहले ही घर वालों का उसके प्रति व्यवहार बहुत बदल चुका था। रमेश अपने बच्चों की ख़ुशी के साथ दूसरे रिश्तों की अहमियत को कुचल रहा था। जहां एक ओर नेहा की ज़िंदगी थम सी रही थी वहीं दूसरी ओर रोहन की ज़िंदगी रफ्तार पकड़ रही थी। नेहा को परिवारिक और सामाजिक कार्यों से बहिष्कृत कर दिया गया था। तेजी से भागते वक़्त के साथ उसके भविष्य के बारे में कोई कुछ नहीं सोच रहा था। उसके साथ रिश्ता दिखावा मात्र था। यह परिवार में सामाजिक यथार्थ की गहरी नासमझ दर्शाता था। नेहा की आहें उन्हें सुनाई नहीं देती थी।

यह सब सुनकर और समझकर मुझे लगने लगा कि रमेश और उसकी पत्नी के तंग दिलों में संवेदनाएं मर चुकी थीं। घर में उनके अलावा किसी की बात का कोई महत्व नहीं था। मैंने नेहा को अपने पास बैठाकर फिर से बहुत समझाया कि तुम हिम्मत रखो और अपने को संभाल कर अपने भविष्य की सोचो। तुम्हारे सामने पूरी ज़िंदगी पड़ी है। अभी तक छोटी उम्र में तुमने देखा ही क्या है। तुम पोस्ट ग्रेजुएशन तक पढ़ी हो। अपनी ज़िंदगी की इबारत तुम्हे खुद फिर से लिखनी है। समाज में व्याप्त असमानता और अन्याय तुम्हें मानसिक रूप से विकलांग कर मौजूदा हालात में तुम्हे गुमनामी के अंधेरे में रहने के लिए मजबूर कर देंगे। समाज की कुरीतियों और थोथे रीति-रिवाजों की बेड़ियों को तोड़कर ही आगे बढ़ा जा सकता है। तुम्हें अपने भविष्य के लिए खुद इन बेड़ियों को तोड़कर अंधकार की दीवार को पार करके उजाले में जाना ही होगा। लोगों के व्यवहार से इंसान की उलझनें और भटकाव की जड़ें इतनी गहरी हो जाती हैं कि हल ढूंढने के लिए उनकी तह तक नहीं पहुंचा जा सकता। इंसान की ज़िंदगी का मिज़ाज भी बहते पानी की तरह होता है। जिस तरह एक जगह इकट्ठा हुए पानी में कुछ समय बाद बदबू आने लग जाती है उसी तरह रुढ़िवादी परम्परा और थोथे रीति-रिवाजों की बेड़ियों में ज़िंदगी को बांधते ही बदबू आने लग जाती है और इंसान खुली हवा में सांस ही नहीं ले पाता। किश्तों में बंटी ज़िंदगी में इंसान अपने स्वार्थ के कारण रिश्तों के महत्व को ही नहीं समझ पाता।

मैं जानती हूं जो हादसा तुम्हारे साथ हुआ है उसे भुला पाना आसान नहीं। इससे तुम्हारे अंदर अनजाना डर बैठ गया है। यह डर घने काले बादल की तरह होता है और जब तक यह तुम्हारे अंदर है तुम उजाले में चलते हुए भी मन में अंधकार लिए हमेशा डर से ग्रस्त रहोगी। ज़िंदगी रुकने का नाम नहीं है।हिम्मत रखो गुजरते वक़्त के साथ सब ठीक होता जाएगा। मैं और मेरा परिवार तुम्हारे द्वारा अपने भविष्य को लेकर करी गई हर सकारात्मक पहल और फैसले में हमेशा तुम्हारे साथ हैं। अब उठो और मुंह धोकर अपने कपड़े बदलकर मेरे साथ भवन चलो और वहा रोहन की रिंग सेरेमनी और विवाह के कार्यक्रम में बिना किसी तनाव के भाग लो।

उसे समझाने के बाद मुझे उसकी उदास और चिंतापूर्ण आंखों में आशा और जागते हुए आत्मविश्वास की किरण दिखाई देने लगी थी। अरसे बाद उसने ढंग के कपड़े पहने थे। उसे देखकर मेरी आंखें नम हो गईं। भवन में सभी उसे आश्चर्य से देख रहे थे।समाज की कुरीतियों और थोथी मान्यताओं की बेड़ियां टूट चुकी थीं। नेहा ने हिम्मत और विश्वास से उन्हें तोड़ दिया था। मुझे उसके साथ देखकर किसी की भी कुछ कहने की हिम्मत नहीं हुई। वहां उसने संगीत और नृत्य का समां देखा और लंबे समय के बाद अपने सभी रिश्तेदारों से मिली। मैं जानती थी कि वक़्त आहिस्ता-आहिस्ता सभी जख्मों को भर देता है ,बस उन जख्मों के निशान रह जाते हैं जो उनकी याद दिलाते रहते हैं। मैं कुछ पलों के लिए नेहा को बाहर लेकर आई और उसे आसमान की ओर देखने के लिए कहा। आसमान में सैकड़ों तारे अपनी छटा बिखेर रहे थे। तारों की झिलमिलाहट के साथ शीतल चांदनी बिखेरता पूरा चन्द्रमा मानो मुस्कुरा रहा था और नेहा को उजाले में बुला रहा था।

सुधीर केवलिया
फोन नं. : 09413279217

संजय उवाच

संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

ऋतुराज

हर क्षण तन छीज रहा,
हर क्षण मन रीझ रहा,
जितना छीजता, उतना रीझता,
छीजना, रीझना, स्वयं पर खीजना,
विरोध का आभास अथाह,
विरुद्ध का समानांतर प्रवाह,
तब पाट का आकुंचन होना,
समानांतर का मिलन होना,
अब न छीजना, अब न रीझना,
भीतर-बाहर मानो संत होना,
देहकाल में ऐसा भी वसंत होना...!

जीवन बहुआयामी है। वसंत केवल रंगों का समुच्चय भर नहीं, अपितु विभिन्न राग-भावों का समग्र स्वरूप भी है। हर रंग का अपना अस्तित्व है, हर रंग का अपना महत्व है। जीवन में हर रंग की आवश्यकता भी है।

विचार करें तो रोटी, कपड़ा और मकान, मनुष्य की स्थूल अथवा प्रत्यक्ष मूलभूत आवश्यकताएँ हैं। अभिव्यक्ति सूक्ष्म या परोक्ष आवश्यकता है। जिस प्रकार सूक्ष्म देह के बिना स्थूल का अस्तित्व नहीं होता, उसी प्रकार अभिव्यक्ति या मानसिक विरेचन के बिना मनुष्य जी नहीं सकता। अक्षर की इकाई को शब्द, वाक्य एवं भाषा के माध्यम से अभिव्यक्ति का, सूक्ष्म का सर्वाधिक सशक्त साधन बनाने वाली वागीश्वरी माँ सरस्वती सरस्वती का आज अवतरण दिवस है।

पौराणिक आख्यान है कि ब्रह्मा जी सृष्टि की रचना तो कर चुके थे पर सर्वव्यापी मौन का कोई हल ब्रह्मा जी के पास नहीं था। तब माँ शारदा प्रकट हुईं। निनाद, वाणी एवं कलाओं का जन्म हुआ। जल के प्रवाह और पवन के बहाव को में स्वर प्रस्फुटित हुआ। मौन की अनुगूँज भी सुनाई देने लगी। आहद एवं अनहद नाद गुंजायमान हुए। चराचर 'नादब्रह्म' है।

अनादिनिधनं ब्रह्म
शब्दतवायदक्षरम ।
विवर्तते अर्थभावेन प्रक्रिया
जगतोयत:।।

अर्थात शब्द रूपी ब्रह्म अनादि, विनाश रहित और अक्षर है तथा उसकी विवर्त प्रक्रिया से ही यह जगत भासित होता है।

शब्द और रस का अबाध संचार ही सरस्वती है। शब्द और रस के प्रभाव का एकात्म भाव से अनन्य संबंध है। इसका एक उदाहरण संगीत है। आत्म और परमात्म का एकात्म रूप संगीत है। संगीत को मोक्ष की सीढ़ियाँ माना गया है। महर्षि याज्ञवल्क्य इसकी पुष्टि करते हैं-

वीणावादनतत्वज्ञः
श्रुतिजातिविशारदः।
तालश्रह्मप्रयासेन
मोक्षमार्गं च गच्छति।

वैदिक संस्कृति के नेत्रों में समग्रता का भाव है। कोई पक्ष उपेक्षित नहीं है। यही कारण है कि वसंत पंचमी रति और कामदेव का उत्सव भी है। इस ऋतु में सर्वत्र विशेषकर खिली सरसों का पीला रंग दृष्टिगोचर होता है। प्रकृति का चटक पीला रंग आकर्षित करता है पुरुष को। प्रकृति और पुरुष का एकात्म होना मदनोत्सव है।

मदन भाव से श्मशान वैराग्य तक, सृष्टि में सभी कुछ उत्सव है। जीवन के हर पक्ष को उत्सव की भाँति ग्रहण करने का संदेश है वसंत। हर भाव को समग्रता से, परिपूर्णता से जीने का प्रतीक है वसंत। यही कारण है कि ऋतुराज कहलाया वसंत।

आज वसंत पंचमी है। आप सबको वसंत पंचमी की मंगलकामनाएँ।

बोध कथा

नकली तोता

एक बार की बात है, एक घने जंगल में विशाल बरगद का पेड़ था। उस पेड़ पर बहुत सारे तोते रहा करते थे। वे सभी हमेशा इधर-उधर की बात करते रहते थे। उन्हीं में एक मिट्ठु नाम का तोता भी था। वह बहुत कम बोलता था और शांत रहना पसंद करता था। सब उसकी इस आदत का मजाक उड़ाया करते थे, लेकिन वह कभी भी किसी की बात का बुरा नहीं मानता था। एक दिन दो तोते आपस में बात कर रहे थे। पहला तोता बोला मुझे एक बार बहुत अच्छा आम मिला था। मैंने पूरे दिन उसे बड़े चाव से खाया। इस पर दूसरे तोते ने जवाब दिया मुझे भी एक दिन आम का फल मिला था, मैंने भी बड़े चाव से उसे खाया था। वहीं, मिट्ठु तोता चुपचाप बैठा था। तब तोतों के मुखिया ने उसे देखते हुए कहा अरे हम तोतों का तो काम ही होता है बात करना, तुम क्यों चुप रहते हो? मुखिया ने आगे कहा तुम तो मुझे असली तोते लगते ही नहीं। तुम नकली तोते हो। इस पर सभी तोते उसे नकली तोता-नकली तोता कहकर बुलाने लगे, लेकिन मिट्ठु तोता फिर भी चुप था।

यह सब चलता रहा। फिर एक दिन रात में मुखिया की बीवी का हार चोरी हो गया। मुखिया की बीवी रोती हुई आई और उसने पूरी बात बताई। मुखिया की बीवी ने कहा किसी ने मेरा हार चोरी कर लिया है और वो हमारी ही झुंड में से एक है। यह सुनकर मुखिया ने तुरंत सभा बुलाई। सभी तोते तुरंत सभा के लिए इकट्ठा हो गए। मुखिया ने कहा मेरी बीवी का हार चोरी हो गया है और मेरी बीवी ने उस चोर को भागते हुए भी देखा है। वह चोर आप लोगों में से ही कोई एक है। यह सुनकर सभी हैरान हो गए। मुखिया ने फिर आगे कहा कि उसने अपने मुंह को कपड़े से ढककर रखा हुआ था, लेकिन उसकी चोंच बाहर दिख रही थी। उसकी चोंच लाल रंग की थी। अब पूरे झुंड की निगाह मिट्ठु तोते और हीरू नाम के एक दूसरे तोते पर थी, क्योंकि झुंड में केवल इन्हीं दोनों की चोंच लाल रंग की थी। यह सुनकर सभी मुखिया से चोर का पता लगाने के लिए बोलने लगे, लेकिन मुखिया ने सोचा कि ये दोनों मेरे अपने हैं। मैं कैसे इनसे पूछ सकता हूं कि तुम चोर हो क्या? इसलिए, मुखिया ने एक कौवे से इसका पता लगाने के लिए मदद ली।

असली चोर का पता लगाने के लिए कौवे को बुलाया गया। कौवे ने लाल चोंच वाले हीरू और मिट्ठु तोते को सामने बुलाया। कौवे ने दोनों तोतों से पूछा कि तुम दोनों चोरी के समय कहां थे? इस पर हीरू तोता जोर-जोर से बोलने लगा मैं उस दिन बहुत थक गया था।

इसलिए, खाना खाकर मैं उस रात जल्दी सोने के लिए चला गया था। वहीं मिट्ठु तोते ने बहुत धीमी आवाज में जवाब दिया। उसने कहा मैं उस रात सो रहा था। इस बात को सुनकर कौवे ने फिर पूछा तुम दोनों अपनी बात साबित करने के लिए क्या कर सकते हो? इस पर हीरू तोता फिर बड़ी तेज आवाज में बोला मैं उस रात सो रहा था। मेरे बारे में सब जानते हैं। ये चोरी मिट्ठु ने ही की होगी। इसलिए, वह इतना शांत होकर खड़ा है? मिट्ठु तोता चुपचाप खड़ा हुआ था। सभा में मौजूद सभी तोते चुपचाप यह सब देख रहे थे। मिट्ठु तोता फिर धीमी आवाज में बोला मैंने यह चोरी नहीं की है। इस बात को सुनकर कौवा मुस्कुराकर बोला कि चोर का पता लग गया है। मुखिया के साथ-साथ सब लोग हैरानी से कौवे की ओर देखने लगे। कौवे ने बताया कि चोरी हीरू तोते ने की है। इस पर मुखिया ने पूछा आप यह कैसे कह सकते हैं? कौवे ने मुस्कुराकर कहा हीरू तोता जोर-जोर से बोलकर अपने झूठ को सच साबित करने में लगा था, जबकि मिट्ठु तोता जानता है कि वह सच बोल रहा है। इसलिए, वो अपनी बात आराम से कह रहा था। कौवे ने आगे कहा वैसे भी हीरू तोता बहुत बोलता है, उसकी बात पर भरोसा नहीं किया जा सकता है। इसके बाद हीरू ने अपना जुर्म कबूल कर लिया और सभी से माफी मांगी।

यह सुनकर सभी तोते हीरू तोते को कड़ी सजा देने की बात कहने लगे, लेकिन मिट्ठु तोते ने कहा मुखिया जी, हीरू तोते ने अपनी गलती मान ली है। उसने सबके सामने माफी भी मांग ली है। उससे पहली बार यह गलती हुई है, इसलिए उसे माफ किया जा सकता है। यह बात सुनने के बाद मुखिया ने हीरू तोते को माफ कर दिया।

वीर गाथा

ले. जनरल फ्रांसिस डायस: दुश्मन के बटालियन मुख्यालय पर बोला धावा, बड़ी साजिश को किया नाकाम

लेफ्टिनेंट जनरल फ्रांसिस टिबर्टियस डायस का जन्म 14 अक्टूबर, 1934 को महाराष्ट्र के पुणे में हुआ था। उन्होंने साल 1971 के भारत-पाक युद्ध में अत्यंत वीरता का प्रदर्शन किया था। फ्रांसिस डायस साल 1954 में गोरखा रेजिमेंट में बतौर सेकंड लेफ्टिनेंट शामिल हुए थे।

जब दिसंबर 1971 में युद्ध छिड़ा तो लेफ्टिनेंट कर्नल फ्रांसिस पूर्वी सेक्टर में पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन के दौरान 11वीं गोरखा राइफल्स की एक बटालियन की कमान संभाल रहे थे। उन्हें 12 दिसंबर को अपने उच्चाधिकारियों से आदेश मिला कि वे दुश्मन फौज की बटालियन द्वारा अच्छी तरह से तैयार किए गए एक इलाके पर कब्जा कर लें।

इसके अगले दिन दुश्मन के अधिकार वाले दो पुलों पर कब्ज़ा करने का जिम्मा सौंपा गया था। फिर 14 दिसंबर को बोगरा टाउन के एक हिस्से पर कब्ज़ा करने का जिम्मा सौंपा गया। फ्रांसिस के नेतृत्व में साथी जवानों ने ये सभी लक्ष्य हासिल किए और दुश्मन को जान-माल का भारी नुकसान पहुंचाया था।

महास्थान नामक इलाके में तो फ्रांसिस और साथी जवानों ने कमाल ही कर दिखाया था। वहां दुश्मन से भिड़ंत के बाद उसके बटालियन मुख्यालय पर धावा बोला। उन्होंने वहां मौजूद दुश्मन के सैन्य अधिकारियों के साथ कमांडिंग अधिकारी को भी हिरासत में ले लिया था।

इस कार्रवाई से घबराए पाकिस्तानी जवानों ने कई पुलों को धमाके से उड़ाने की साजिश रची, लेकिन फ्रांसिस ने अपनी सूझबूझ से उन्हें नाकाम कर दिया। इसके बाद उन्होंने दुश्मन के कई और जवानों को हिरासत में ले लिया। इससे पाकिस्तान की ताकत खत्म हो गई और 16 दिसंबर, 1971 को भारत की जीत के साथ ही बांग्लादेश का उदय हुआ। इस ऑपरेशन में लेफ्टिनेंट कर्नल फ्रांसिस डायस ने उच्च कोटि की वीरता और शानदार नेतृत्व का प्रदर्शन किया। उन्हें इसके लिए वीर चक्र से सम्मानित किया गया।

फ्रांसिस टिबर्टियस डायस सेना में पदोन्नति पाते हुए लेफ्टिनेंट जनरल बने और साल 1992 में सेवानिवृत्त हुए। उनका स्वर्गवास 16 जनवरी, 2019 को हुआ।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। - दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बजट सत्र

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी शनिवार को नई दिल्ली में अठारहवीं लोकसभा के बजट सत्र के दौरान संसद भवन जाती हुई।

'अफगानिस्तान के अरबों डॉलर के कोष पर तालिबान का कोई कानूनी अधिकार नहीं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

काबुल। अफगानिस्तान को दी जाने वाली अमेरिकी सहायता पर निगरानी रखने वाली संस्था ने कहा है कि तालिबान का देश के अरबों डॉलर के कोष पर कोई कानूनी अधिकार नहीं है, क्योंकि उसे वैध सरकार के रूप में मान्यता नहीं मिली है और वह प्रतिबंधों के अधीन है। अफगानिस्तान पुनर्निर्माण के लिए विशेष महानिरीक्षक ने शुक्रवार को जारी अपनी नवीनतम रिपोर्ट में यह भी कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन और कांग्रेस (अमेरिकी संसद) अफगानिस्तान के लिए निर्धारित लगभग चार अरब डॉलर को अमेरिकी सरकार की देखरेख और नियंत्रण में वापस करने पर विचार कर सकते हैं। महानिरीक्षक के मुताबिक 2022 में, अमेरिका ने अफगान केंद्रीय बैंक की 3.5 अरब डॉलर की संपत्ति को अफगान लोगों के लिए स्विस आधारित कोष में स्थानांतरित कर दिया जिसे अमेरिका में रोककर रखा गया था। तब से यह कोष बढ़कर लगभग चार अरब डॉलर हो गया है।

हालांकि, अफगान लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए इस कोष से कोई भुगतान नहीं किया गया है जबकि इस कोष का उद्देश्य उनकी ओर से अर्थव्यवस्था की रक्षा करना और स्थिरता लाना है। रिपोर्ट में कहा गया है, तालिबान यह धनराशि चाहता है, लेकिन उसके पास इन पर कोई कानूनी अधिकार नहीं है, क्योंकि उसे अफगानिस्तान की सरकार के रूप में अमेरिका द्वारा मान्यता प्राप्त नहीं है, वे अमेरिका की विशेष रूप से नामित वैश्विक आतंकवादी सूची में हैं, और अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र के प्रतिबंधों के अधीन हैं। यह रिपोर्ट ट्रंप के उस निर्णय के बाद आई है जिसमें उन्होंने विदेशी सहायता पर 90 दिनों तक रोक लगा दी है, ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि यह सहायता उनके नीतिगत लक्ष्यों के अनुरूप है या नहीं।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने संगम में डुबकी लगाई

महाकुंभनगर। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को प्रयागराज महाकुंभ में पहुंचकर संगम में डुबकी लगाई और सूर्य देवता को अर्घ्य दिया।

धनखड़ ने वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच संगम में स्नान किया। इससे पहले, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज आगमन पर उपराष्ट्रपति का स्वागत किया। क्षेत्राधिकारी (प्रोटोकॉल तृतीय) प्रतिमा सिंह ने शुक्रवार को उपराष्ट्रपति और मुख्यमंत्री के प्रयागराज आगमन के कार्यक्रम की पुष्टि की थी। हालांकि, उन्होंने कार्यक्रम का विवरण साझा नहीं किया था।

रूबियो मध्य अमेरिका के दौरे पर जाएंगे; पनामा नहर, अवैध आव्रजन के मुद्दे पर जोर देंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो इस सप्ताहांत विदेश दौरे पर मध्य अमेरिका जाएंगे और इस दौरान वह अवैध आव्रजन पर अंकुश लगाने जैसी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की शीर्ष प्राथमिकताओं पर जोर देंगे। वह यह संदेश देने का भी प्रयास करेंगे कि क्षेत्रीय नेताओं के तीखे विरोध के बावजूद अमेरिका पनामा नहर पर नियंत्रण पुनः हासिल करना चाहता है। पदभार संभालने के बाद यह उनकी पहली विदेश यात्रा होगी। अमेरिका के शीर्ष राजनयिक के लिए मध्य अमेरिका की यात्रा असामान्य मानी जाती है क्योंकि पूर्ववर्तियों ने सामान्य तौर पर प्रारंभिक यात्रा के लिए यूरोप या एशिया को प्राथमिकता दी।

रूबियो ने शुक्रवार को 'द वॉल स्ट्रीट जर्नल' में लिखा, यह कोई संयोग नहीं है कि विदेश मंत्री के रूप में अपनी पहली विदेश यात्रा के लिए मैंने अपने नजदीकी देश को चुना। अवैध आव्रजन और मादक पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाना ट्रंप प्रशासन की शीर्ष प्राथमिकताओं में शामिल है।

इसके साथ ही पनामा नहर पर अमेरिका का नियंत्रण पुन: हासिल करके पश्चिमी गोलार्ध में चीन के बढ़ते प्रभाव को रोकना भी उसकी प्राथमिकताओं में है। अमेरिका द्वारा निर्मित इस नहर को 1999 में पनामावासियों को सौंप दिया गया था और वे इसे वापस सौंपने की ट्रंप की मांग पर कड़ा विरोध जता रहे हैं।

निर्मला सीतारमण का मेरी ओर से उपहार दी गई साड़ी पहनना 'सपना सच होने जैसा' : दुलारी देवी

पटना/भाषा

पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित कलाकार दुलारी देवी के मुताबिक वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा शनिवार को बजट पेश करते समय उनके द्वारा उपहार में दी गई मधुबनी चित्रशैली वाली साड़ी पहनना 'सपना सच होने' जैसा है।

सीतारमण ने बजट पेश करते समय मछली की आकृति वाली कढ़ाई और सुनहरी किनारी वाली हल्के सफेद रंग की हथकरघा से बनी रेशम की साड़ी पहनी थी।

बिहार की प्रसिद्ध मधुबनी कलाकार देवी ने फोन पर 'पीटीआई-भाषा' को बताया, सीतारमण जी ने दो महीने पहले मेरे द्वारा उपहार में दी गई साड़ी पहनकर मधुबनी कला को एक बड़ा सम्मान दिया है। दो महीने पहले मधुबनी में मिथिला कला संस्थान में आयोजित ऋण वितरण कार्यक्रम में उन्हें यह साड़ी भेंट करते हुए अनुरोध किया था कि वे इसे बजट के दिन पहनें। उन्होंने मेरा अनुरोध स्वीकार कर लिया... यह मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा है।

देवी ने बताया कि साड़ी तैयार करने में एक महीने से अधिक का समय लगा।

मधुबनी जिले के रांटी गांव की निवासी देवी को कला में उनके योगदान के लिए 2021 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया था।

देवी मधुबनी चित्रशैली की 'कछनी' (रेखाचित्र) और 'भरनी' (रंगीन) दोनों शैलियों में पारंगत हैं। विशेषज्ञों ने उनके काम को ''सामुदायिक परंपराओं को आधुनिक विषयों के साथ जोड़ने'' के रूप में वर्णित किया है।

उनके काम की विस्तृत जानकारी कुछ विश्वविद्यालयों में संचालित मैथिली भाषा के पाठ्यक्रम सामग्री के हिस्से के रूप में दी गई है। देवी ने भारत में केंद्र और राज्य सरकारों के लिए कई भित्ति चित्र बनाए हैं और बच्चों को मधुबनी कला तकनीक सिखाती हैं। वह मधुबनी में मिथिला कला संस्थान में प्रशिक्षक भी हैं।

कोविड-19 लॉकडाउन के प्रभाव को दर्शाने वाली उनकी पेंटिंग को कई विदेशी विश्वविद्यालयों ने भी अधिग्रहित किया है।

सीतारमण के मधुबनी चित्रशैली युक्त साड़ी पहनने पर टिप्पणी करते हुए बिहार के उद्योग विभाग की सचिव बंदना प्रेयसी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी पोस्ट में कहा, केंद्रीय वित्त मंत्री ने संसद में केंद्रीय बजट-2025 पेश करने के लिए पद्मश्री दुलारी देवी द्वारा बनाई गई मधुबनी साड़ी पहनी। जब हमने बिहार संग्रहालय, पटना में महिला और कला प्रदर्शनी का आयोजन किया था, तब मुझे दुलारी देवी और अन्य लोगों से मिलने का सौभाग्य मिला था। शानदार कार्य।

अमृत उद्यान आज से आम जनता के लिए खुलेगा : राष्ट्रपति भवन

नई दिल्ली/भाषा

अमृत उद्यान रविवार से आम जनता के लिए खोल दिया जाएगा और आगंतुक 30 मार्च तक यहां आ सकेंगे। राष्ट्रपति भवन ने शनिवार को यह जानकारी दी।

एक बयान में कहा गया कि लोग सप्ताह में मंगलवार से रविवार छह दिन सुबह 10 बजे से शाम छह बजे के बीच उद्यान में घूमने के लिए आ सकते हैं। हालांकि रखरखाव के कारण सोमवार को यह बंद रहेगा।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अमृत उद्यान के शीतकालीन वार्षिक संस्करण 2025 के उदघाटन में भाग लिया।

बयान में कहा गया है, अमृत उद्यान दो फरवरी से 30 मार्च तक आम जनता के लिए खुलेगा।

उद्यान में बुकिंग और प्रवेश निःशुल्क है और इसके लिए राष्ट्रपति भवन के आधिकारिक पोर्टल से पास लेना होगा।

बयान में कहा गया कि बिना बुकिंग के लोगों को पार्क में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी।

सभी आगंतुकों के लिए प्रवेश और निकास राष्ट्रपति भवन के गेट नंबर 35 से होगा जो नॉर्थ एवेन्यू से राष्ट्रपति भवन के करीब है।

बयान में कहा गया कि केंद्रीय सचिवालय मेट्रो स्टेशन से गेट नंबर 35 तक हर 30 मिनट में सुबह साढ़े नौ बजे से शाम छह बजे के बीच शटल बस सेवा उपलब्ध होगी।

इस वर्ष ट्यूलिप के साथ-साथ, आगंतुक अमृत उद्यान में 140 विभिन्न प्रकार के गुलाब और 80 से अधिक अन्य फूल देख सकेंगे।

परीक्षा

पटना के बांकीपुर गर्ल्स हाई स्कूल में छात्र बिहार बोर्ड इंटरमीडिएट परीक्षा में शामिल हुए।

ब्रज क्षेत्र में वसंत पंचमी से ही शुरू हो जाएगी होली की धूम

मथुरा/भाषा

उत्तर प्रदेश के ब्रज क्षेत्र में वसंत पंचमी के दिन से ही होली की धूम शुरू हो जाएगी। विश्वविख्यात मंदिरों और प्रमुख चौराहों पर होली का डांढ़ा (होलिका दहन के लिए चिह्नित स्थान का संकेतक) गाड़ा जाएगा और मंदिरों में ठाकुरजी की प्रसादी के रूप में अबीर-गुलाल उड़ाया जाएगा। इसके लिए ब्रज के मंदिरों एवं अन्य स्थानों पर तैयारियां जोरों पर हैं।

वृंदावन के बांकेबिहारी मंदिर के प्रबंधक मुनीश शर्मा ने बताया कि शहर के मंदिरों में सोमवार को वसंत पंचमी से ठाकुरजी भक्तों के साथ होली खेलेंगे और फाल्गुन पूर्णिमा तक होली का उल्लास छाया रहेगा। उन्होंने बताया कि दुनिया के बाकी हिस्सों में जहां होली का पर्व दो-तीन दिन तक मनाया जाता है, वहीं राधा-कृष्ण के निश्छल प्रेम की इस धरती पर यह पर्व वसंत पंचमी से शुरू होकर फागुन मास की पूर्णिमा (होलिका दहन के दिन) के बाद अगले 10 दिन तक जारी रहता है।

शर्मा के मुताबिक, ब्रज में होलिकोत्सव अलग तरीके से मनाया जाता है। शुरुआत वसंत पंचमी पर ठाकुरजी के 'हुरियार' (होली खेलने के लिए मतवाले ग्वाल) के रूप में दर्शन दिए जाने से होती है, जिसमें दर्शन के लिए आने वाले भक्तों पर प्रसाद के रूप में गुलाल की वर्षा की जाती है। यह परंपरा होलिका दहन तक चलती है, उसके बाद 'हुरंगा' (होली की खुशी में गाए जाने वाले गीत और नृत्य) की परंपरा में बदल जाती है, जो 10 दिन बाद तक जारी रहती है।

बांके बिहारी मंदिर प्रबंधन समिति के पदाधिकारी उमेश सारस्वत ने कहा कि बरसाना और नंदगांव की 'लठमार होली' (जिसमें हुरियारिन कृष्ण के सखा का रूप धरकर उनसे होली खेलने पहुंचे हुरियारों की लाठियों से पिटाई करती हैं) के लिए ब्रज का होलिकोत्सव दुनिया भर में मशहूर है। उन्होंने बताया कि बांके बिहारी मंदिर में गुलाल की होली तीन फरवरी को वसंत पंचमी से लेकर 10 मार्च को रंगभरनी एकादशी तक जारी रहेगी। रंगभरनी एकादशी से पूर्णिमा तक ठाकुरजी रंग, गुलाल, केसर, इत्र, अर्गजा और गुलाल जल से होली खेलेंगे।

मंदिर के सेवायत प्रह्लाद वल्लभ गोस्वामी ने बताया कि श्रीबांकेबिहारी मंदिर में वसंत पंचमी के दिन सबसे पहले वसंती वस्त्र-आभूषणों में सजे-संवरे बांकेबिहारी महाराज की ऋंगार सेवा के अंतर्गत गुलाल अर्पित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ठाकुरजी भक्तों को हुरियारे स्वरूप में दर्शन देंगे, जिसके उन्हें केसर और पंच मेवा युक्त मोहनभोग, बादाम मिश्रित मूंग की दाल का हलवा, केसरिया खीर का विशेष भोग अर्पित किया जाएगा।

गोस्वामी के अनुसार, मंदिर के सेवायत गोस्वामी हाथरस से हर्बल गुलाल और कन्नौज से इत्र ला रहे हैं। इसके अलावा, स्थानीय कारीगरों से ठाकुरजी के लिए वसंती रंग की पोशाक तैयार करवाई जा रही है।

वृंदावन के ही सुप्रसिद्ध ठाकुर शाह बिहारी मंदिर के प्रबंधक प्रशांत शाह ने बताया कि 'टेढ़े-मेढ़े खंभों वाले मंदिर' के रूप में प्रसिद्ध 'शाहजी मंदिर' का साल में दो बार खुलने वाला वसंती कमरा तीन फरवरी को वसंत पंचमी के अवसर पर खुलेगा। उन्होंने बताया कि संध्या काल में श्रीजी यानी राधारानी झाड़-फानूस की रंग-बिरंगी रोशनी के बीच मंदिर में विराजमान हो भक्तों को दर्शन देंगी।

शाह के अनुसार, भक्त पूरे साल इस दिन का इंतजार करते हैं। उन्होंने बताया कि मंदिर प्रबंधन इस खास दिन के लिए मंदिर को संगमरमरी रोशनी से सजाएगा।

शाह के मुताबिक, वसंती कमरे की सजावट के प्रमुख आकर्षण प्राचीन झाड़-फानूस और बेल्जियम कांच के कलश आदि की साफ-सफाई का काम जारी है।

दलहन, बीज और प्रौद्योगिकी पर बजट का जोर स्वागतयोग्य, कुछ चिंताएं अभी बाकी : कृषि उद्योग

नई दिल्ली/भाषा। उद्योग जगत के लोगों ने शनिवार को केंद्रीय बजट 2025-26 की कृषि पहल का स्वागत किया है। उन्होंने विशेष रूप से प्रौद्योगिकी एकीकरण और बीज विकास पर सरकार के जोर की सराहना की है। हालांकि, उन्होंने कहा कि कुछ क्षेत्र-विशिष्ट मांगें अब भी अनसुलझी हैं।

बजट का कृषि प्रारूप, जो इस क्षेत्र को प्राथमिक विकास इंजन बनाने पर केंद्रित है, ने आयात निर्भरता को कम करने और घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने पर अपना ध्यान केन्द्रित करने के लिए सकारात्मक प्रतिक्रियाएं प्राप्त की हैं।

सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) के अध्यक्ष संजीव अस्थाना ने बयान में कहा, सरकार अर्थव्यवस्था के विकास इंजन के रूप में कृषि पर ध्यान केंद्रित कर रही है और खाद्य तेल के आयात पर निर्भरता को कम करने का लक्ष्य बना रही है। उन्होंने तिलहन विकास कार्यक्रम के लिए कम से कम 5,000 करोड़ रुपए के अतिरिक्त वार्षिक आवंटन की उम्मीद जताई।

हालांकि, कुछ अन्य ने बजट प्रावधानों में खामियों की ओर इशारा किया। भारतीय बीज उद्योग महासंघ (एफएसएसआईआई) के अध्यक्ष अजय राणा ने उच्च उपज वाले बीजों और कपास उत्पादकता को बढ़ावा देने वाली योजनाओं का स्वागत करते हुए कहा कि ''कुछ दीर्घकालिक चिंताएं अभी भी अनसुलझी हैं। उन्होंने निजी निवेश को आकर्षित करने के लिए अनुसंधान एवं विकास व्यय के लिए 200 प्रतिशत आयकर कटौती को फिर से लागू करने की आवश्यकता पर बल दिया।

कम उत्पादकता वाले जिलों को लक्षित करने वाली प्रधानमंत्री कृषि योजना को उद्योग के अधिकारियों से विशेष सराहना मिली।

समारोह

प्रयागराज में महाकुंभ मेला 2025 में शनिवार को 'पट्टा अभिषेक' समारोह में भाग लेने के लिए विदेशी भक्त पहुंचे।

रेखा के साथ काम करना किसी सपने के सच होने जैसा : वैभवी हंकारे

मुंबई/एजेन्सी

स्टार प्लस के शो 'गुम है किसी के प्यार में' में तेजस्वनी का किरदार निभा रही वैभवी हंकारे का कहना है कि इस शो में सदाबहार अभिनेत्री रेखा के साथ काम करना उनके लिये किसी सपने के सच होने जैसा है। स्टार प्लस के शो 'गुम है किसी के प्यार में' के फैंस के लिए जबरदस्त ट्रीट आने वाला है।ड्रामा, इमोशंस और सस्पेंस से भरी इस नई कहानी में लेजेंडरी रेखा भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगी। 'गुम है किसी के प्यार में' की नई कहानी में वैभवी हंकारे अब तेजस्विनी के किरदार में नजर आएंगी, और दर्शकों को उनकी परफॉर्मेंस में जबरदस्त इमोशंस और गहराई देखने को मिलेगी। 'गुम है किसी के प्यार में' में तेजस्विनी का किरदार निभा रहीं वैभवी हंकारे के लिए यह सफर बेहद खास रहा है, खासतौर पर जब उन्हें रेखा के साथ स्क्रीन शेयर करने का मौका मिला। अपनी खुशी जाहिर करते हुए वैभवी ने कहा,रेखा जी के साथ काम करना किसी सपने के सच होने जैसा है। अपने करियर की शुरुआत में ही यह अनुभव पाना मेरे लिए सम्मान और आभार से भरा पल है। वह ग्रेस, चार्म और टाइमलेस ब्यूटी की मिसाल हैं, और उनके साथ काम करके मैं खुद को बेहद लकी महसूस कर रही हूं। रेखा जी की परफॉर्मेंस को इतने करीब से देखना और उनके जादुई ऑरा को महसूस करना एक अनमोल अनुभव था, जिसे वह हमेशा याद रखेंगी। हमारे शो को दर्शकों तक पहुंचाने का इससे आइकॉनिक तरीका और कोई नहीं हो सकता था। अब फैंस भी बेसब्री से इस नए चैप्टर को देखने के लिए तैयार हैं! वैभवी ने कहा, गुम है किसी के प्यार में' को रेखा जी जैसी लेजेंडरी आइकॉन द्वारा इंट्रोड्यूस किया जाना मेरे लिए किसी सपने से कम नहीं है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | रविवार | 02-02-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

स्थानीय नमिनाथ जैन मंदिर के समीप नमि-बुद्धि-वीर वाटिका में भोर वेला में सामूहिक प्रार्थना, संगीतमय मंत्र जाप और ध्यान का आयोजन किया गया। आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने साधना के लिए साधकों को दिशा, समय, आसन, वस्त्र परिधान, मनोभूमिका, विधि, बीजमंत्रों के स्वरूप और रहस्य तथा मुद्राओं का तलस्पर्शी मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि विश्व की सभी धर्म परंपराओं ने आराध्य की प्रार्थना पर बहुत जोर दिया है।

मातृछाया की सदस्याओं ने की तीर्थ यात्रा, जीवदया व परमार्थ सेवा के कार्य

गौशाला व साधर्मिकों को किया सहयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जैन महिला संगठन 'मातृछाया' की सदस्याओं ने शंखेश्वर और पालीताना सहित लगभग 15 पावन तीर्थ स्थलों की ग्यारह दिवसीय तीर्थ यात्रा सम्पन्न कर वापस बेंगलूरु आई। अध्यक्ष ललिता नागोरी ने बताया कि लगभग 30 सदस्याओं ने तीर्थ दर्शन, साधु-साध्वियों की वैयावच्च, वंदन और भक्ति के साथ-साथ जीवदया एवं परमार्थ सेवा का भी भरपूर लाभ लिया। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति सच्चे मन से सेवा और दान करता है, उसे न केवल आत्मिक सुख मिलता है, बल्कि उसकी जीवन यात्रा भी सुखद और सफल होती है।

मार्गदर्शिका त्रिशला कोठारी ने बताया कि इस यात्रा में धार्मिक आस्था को सुदृढ़ करने के साथ ही अनाथ आश्रम, वृद्धाश्रम और महिलाओं के आश्रमों में सेवा प्रदान कर इन केंद्रों को 21हजार रुपए की सहायता राशि चेक एवं नकद रूप में भेंट किए गए। उन्होंने कहा कि धन का सही उपयोग तभी होता है जब हम इसे जरूरतमंदों की सहायता में लगाते हैं। जरूरतमंदों की मदद करना मानवता का सबसे बड़ा धर्म है। सभी जीवों पर दया करना हमारे जीवन का मूल उद्देश्य होना चाहिए। मनुष्य ही एकमात्र जीव है जो अपनी शक्ति से अन्य जीवों की सेवा कर सकता है। सचिव रेशमा बडोला ने बताया कि यात्रा के दौरान अनेक गौशालाओं एवं पशु चिकित्सा केंद्रों में भी बड़ी सहयोग राशि प्रदान की गई। उपाध्यक्ष पुष्पा बाफना ने बताया कि जैन समाज के साधर्मिकों को आर्थिक सहायता प्रदान की। संगठन की सदस्याओं ने साधु चर्या को निकट से जानने के साथ-साथ उनके आहार सेवा और भक्ति का भी लाभ लिया। तीर्थ स्थलों की व्यवस्था समिति ने मातृछाया के सेवा कार्यों की प्रशंसा करते हुए उनका अभिनंदन किया। सहायता प्राप्त करने वाली संस्थाओं के प्रमुखों ने मातृछाया के सहयोग हेतु अपना आभार प्रकट किया।

'प्रार्थना, मंत्रजाप और ध्यान हैं जीवन के शांति का उपाय'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चिकमगलूर। स्थानीय नमिनाथ जैन मंदिर के समीप नमि-बुद्धि-वीर वाटिका में भोर वेला में सामूहिक प्रार्थना, संगीतमय मंत्र जाप और ध्यान का आयोजन किया गया। आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने साधना के लिए साधकों को दिशा, समय, आसन, वस्त्र परिधान, मनोभूमिका, विधि, बीजमंत्रों के स्वरूप और रहस्य तथा मुद्राओं का तलस्पर्शी मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि विश्व की सभी धर्म परंपराओं ने आराध्य की प्रार्थना पर बहुत जोर दिया है। भले ही सबके नाम और तरीके अलग-अलग हैं, पर भावनात्मक स्वरूप सबका एक समान ही हैं। मंत्र सबके भिन्न-भिन्न हो सकते हैं, लक्ष्य एक ही है। उसी तरह ध्यान के प्रयोग और उसकी विधियां जुदा-जुदा हो सकती हैं, लेकिन ध्येय तो मन की एकाग्रता, पवित्रता और परम तक पहुंचने का ही है।

आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि इच्छा, तृष्णा, आकांक्षा, अपेक्षा, स्वार्थ और प्रतिस्पर्धा से भरे मनुष्य के अशांत जीवन में प्रार्थना, मंत्रजाप और ध्यान, शांति का अमोघ उपाय है। ये सिर्फ आध्यात्मिक साधना ही नहीं, तनावग्रसित मनुष्य के लिये मानसिक शांति का दिव्य संदेश है। ज्यों-ज्यों इच्छाएं बढ़ती हैं, वे असंतोष और अशांति को बढ़ाती हैं। आपसी रिश्तों में कदम-कदम पर स्वार्थ की बू आती है।

आगे बढ़ने और सफल होने की अंतहीन प्रतिस्पर्धा जीवन को सतत असंतोष, निराशा और विषाद की अग्निज्वाला में स्वाहा करती रहती हैं। ऐसे में आराध्य भगवान की प्रार्थना, भावपूर्ण मंत्रजाप और ध्यान का अभ्यास मनुष्य के जीवन को शांति, शक्ति, उन्नति और अद्भुत आत्मविश्वास देता है। हजारों-लाखों साधकों ने इनके प्रयोग किये हैं और वे सफल हुए हैं। हमें भी इनके प्रयोग कर जीवन-पथ को ज्योतिर्मय बनाना चाहिए।

रात्रिकालीन ज्ञानसत्र में युवाओं को मार्गदर्शन देते हुए गणि पद्मविमलसागरजी ने कहा कि जीवन से दोषों के परिष्कार के लिए गुणों का अधिक से अधिक विकास किया जाना चाहिए। दोष-दुर्गुण जीवन को भारी बनाते हैं, जबकि गुणों का अनुराग दोष-दुर्गुणों को कमजोर कर, जीवन को भव्यता प्रदान करता हैं। सच्चे अर्थ में वही जीवन की उपलब्धि है। गुणों से सम्पन्न जीवन की भव्यता के दर्शन अनेक लोगों की जिंदगी में किए जा सकते हैं।

पूज्य संतों के धैर्य के आगे विफल हुए सनातन के विरोधी : योगी

प्रयागराज/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को मौनी अमावस्या के अमृत स्नान से पहले हुई भगदड़ की घटना के बाद संयमित आचरण के लिए संतों और अखाड़ों की शनिवार को तारीफ की। उन्होंने किसी का नाम लिए बगैर महाकुंभ की आभा धूमिल करने का प्रयास करने वालों की आलोचना भी की।

शनिवार को सेक्टर-22 में दो संतों संतोष दास सतुआ बाबा और स्वामी राम कमलाचार्य के पट्टाभिषेक के लिए आयोजित धर्म सभा कार्यक्रम में पहुंचे योगी ने कहा, संतों और अखाड़ों ने विपरीत परिस्थितियों में धैर्य से चुनौतियों का सामना करते हुए इस अभियान को आगे बढ़ाया है।

मुख्यमंत्री ने तीन फरवरी को बसंत पंचमी के अमृत स्नान से पहले महाकुंभ मेले में श्रद्धालुओं के लिए किए गए उपायों का जायजा लेने के लिए इलाके का हवाई सर्वेक्षण किया। उन्होंने संगम नोज के उस स्थान का भी जायजा लिया, जहां मौनी अमावस्या के दिन भगदड़ मची थी।

योगी ने कहा, सनातन धर्म ही मानव धर्म है। सनातन रहेगा, तो मानव धर्म रहेगा, मानवता रहेगी, सृष्टि रहेगी। मैं उन पूज्य संतों का अभिनंदन करूंगा, जिन्होंने मौनी अमावस्या के अवसर पर पूरे धैर्य से स्थिति का सामना किया। कुछ पुण्यात्माएं हादसे का शिकार हुईं, लेकिन उन परिस्थितियों में हमारे संत एक अभिभावक के रूप में नजर आए। उन्होंने कहा, जैसे परिवार के ऊपर कोई विपत्ति आती है, तो परिवार का अभिभावक भयभीत नहीं होता। उसी तरह संतों ने हिम्मत के साथ खड़े होते हुए इस चुनौती का सामना किया और इससे उबरने में हमारी मदद की।

योगी ने कहा, आपने देखा होगा जो सनातन धर्म के विरोधी हैं, वो प्रयास कर रहे थे कि संतों का धैर्य जवाब दे जाए और उसके बाद जग-हंसाई कराई जाए, लेकिन मैं उन पूज्य संतों का अभिनंदन करूंगा, जिन्होंने उन परिस्थितियों में इस आयोजन को अपना आयोजन मानकर पूरे धैर्य के साथ परिस्थितियों का सामना करते हुए पुण्यात्माओं के प्रति श्रद्धांजलि भी दी और मां गंगा के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन भी किया। उन्होंने कहा कि इसी प्रेरणा से पिछले 19 दिनों के अंदर 32 करोड़ से अधिक श्रद्धालु डुबकी लगाकर पुण्य के भागीदार बने हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, कुछ लोग गुमराह करके सनातन धर्म के हर एक मुद्दे पर षड्यंत्र करने से बाज नहीं आते हैं। राम जन्मभूमि से लेकर आज तक, उनका व्यवहार और चरित्र जगजाहिर है। ऐसे लोगों से सावधान होकर सनातन धर्म के आदर्शों और मूल्यों के साथ इन पूज्य संतों के सानिध्य में हमें निरंतर आगे बढ़ना होगा। उन्होंने कहा कि जब तक पूज्य संतों का सम्मान है, सनातन धर्म का कोई बाल बांका नहीं कर सकता।

कार्यक्रम में जूना पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरी ने कहा कि जब से गोरक्षपीठाधीश्वर योगी जी ने उत्तर प्रदेश का शासन अपने हाथों में लिया है, तब से सनातन का सूर्य पूरे विश्व को आलोकित कर रहा है।

इस अवसर पर तुलसी पीठाधीश्वर जगद्गुरु रामानंदाचार्य स्वामी रामभद्राचार्य जी ने मुख्यमंत्री को महाकुंभ के सफल आयोजन के लिए आशीष और बधाई दी।

'सुखों को प्राप्त करने के लिए विनम्रता और क्षमता दोनों जरुरी'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सदाशिवनगर स्थित सुराना भवन में विराजित श्री विनयमुनिजी खींचन में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि अल्प भजन, अल्प भाषण और दबाव रहित अल्प चिंतन बड़ा हितकारी बनता है। स्वच्छता के लिए स्वस्थता के लिए कम खाना, संघर्षों से बचने के लिए कम बोलना बहुत बड़ा काम माना गया है। कम खाना, नभ जाना और गम खाना जीवन का सूत्र होना चाहिए। गम का घूट पिए बिना हम संघर्षों से बच नहीं सकते।

संसार में मुख्य यह बात है कि मनचाही सबकी होती नहीं और अनचाही से संसार भरा हुआ है। सुखों को प्राप्त करने के लिए विनम्रता और क्षमता दोनों बहुत ही जरूरी है। मुनिश्री ने कहा कि आयुष की डोरी किसी भी समय हमारी टूट सकती है, किसी भी समय मृत्यु आ सकती है जो अधूरे काम छोड़कर जाते हैं यह पीछे पश्चाताप करते हैं और पूरा काम करने वाला बहुत सुखी रहता है ।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सम्मान

भाजपा समर्थक मंच, कर्नाटक प्रदेश अध्यक्ष नितेश शरण, वीरेंद्र शरण और मान्याश्री शरण ने पद्मभूषण भारतीय वायलिन वादक व अग्रणी आर्केस्ट्रा संगीतकार एल. सुब्रमण्यम व बॉलीवुड पार्श्व और शास्त्रीय गायिका कविता कृष्णमूर्ति से मुलाकात कर कर्नाटक संगीत में उनकी उपलब्धियों और सेवाओं के लिए बधाई दी। ज्ञातव्य है कि संगीत के दिग्गज सुब्रमण्यम लक्ष्मीनारायण को इस वर्ष 2025 में पद्मविभूषण पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

जीतो जेबीएन विमेन बिजनेस रेफरल ग्रुप की बैठक आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जीतो जेबीएन वी कनेक्ट की बैठक लेडीज विंग चेयरपर्सन लक्ष्मी बाफना के मार्गदर्शन में मुख्य सचिव रक्षा छाजेड़, जीतो अपेक्स संयोजिका(हाउसहोल्ड बिजनेस मॉडल) बिंदु रायसोनी की उपस्थिति में राजाजीनगर कार्यालय में हुआ। बैठक की मुख्य वक्ता जेसीआई की अध्यक्ष और एक सॉफ्ट स्किल ट्रेनर कामना जैन ने एआई तकनीक से परिचित कराते हुए दैनिक जीवन में उसके उपयोग के बारे में बताया। साथ ही, उन्होंने विभिन्न प्रकार की उपयोगी वेबसाइट्स के बारे में भी जानकारी दी, जिनका उपयोग हम अपने व्यवसाय को बढ़ाने के लिए कर सकते हैं।

दीपिका जैन ने 8 मिनट की प्रस्तुति में अर्हम पुरस्कार ध्यान के बारे में गहन जानकारी दी। शैक्षणिक स्लॉट में लक्षिता ने सोशल मीडिया के महत्व को समझाया और बताया कि यह न केवल लोगों के बीच अटूट संबंध बनाता है, बल्कि साथी सदस्यों को गहराई से समझने में भी मदद करता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता रेफरल हेड सीमा शाह, रेफरल लीड मीना जैन और रेफरल सेक्रेटरी लीला पितलिया ने की। सभी 30 जेबीएन सदस्याओं ने अपने व्यापार के बारे में जानकारी दी।रियांका जैन को बेस्ट 30 सेकंड पिच पुरस्कार से, पायल वर्धमान को बेस्ट ड्रेस पुरस्कार और सबसे अधिक रेफरल देने के लिए लक्षिता जैन को पुरस्कृत किया गया।

सूर्योदय के बाद विहार करना ही साधु साध्वियों के हित में : लुणावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। साधु साध्वियों की वैयावच्च व विहार सेवा में सक्रिय रहने वाले युवा धर्मेश सहलोत जो गत दिनों विहार सेवा में एक दुर्घटना में गंभीर घायल हो गए थे, वे करीब 20 दिनों की अपने जीवन व मौत की लम्बी लड़ाई हार गए। उनके इस बलिदान से शहर के विभिन्न धार्मिक ग्रुपों व संस्थाओं में विहार सेवा को लेकर अनेक विषयों पर चर्चा हो रही है। शांतिनगर जैन संघ के मंत्री छगनमल लुणावत ने भी इस विषय को गंभीर बताते हुए साधु साध्वियों ने निवेदन किया है कि वे सभी सूर्योदय होने के बाद ही अपने विहार प्रारंभ करें ताकि दुर्घटनाओं को होने से टाला जाए। लुणावत ने बताया कि जैन साधु साध्वी एक स्थान से दूसरे स्थान सड़क किनारे पैदल विहार करके ही जाते हैं, परन्तु यदि साधु साध्वी विहार के समय को सूर्य उगने के बाद का रखे तो सामने व पीछे से आने वाले वाहनों को भी साफ दिखाई देगा और साधुओं के साथ चलने वाले विहार सेवा में लगे श्रद्धालु भी सचेत रहेंगे।

लुणावत ने बताया कि जैन आगम में सूर्योदय के बाद ही विहार करने की बात कहीं गई है। उन्होंने कहा कि साधु वर्ग व श्रावक श्राविकाओं को इस गंभीर विषय पर चर्चा करनी चाहिए ताकि हम अपने जैन साधु साध्वियों को सुरक्षित रख सके और साथ ही विहार सेवा देने वाले युवा वर्ग इस सेवा से जुड़ सके।

दीक्षा के बाद मुमुक्षु अर्पित शाह बने मुनिश्री लक्ष्यवल्लभविजय

गिरनार/बेंगलूरु/दक्षिण भारत । मुमुक्षु अर्पित शाह की दीक्षा गिरनार में आचार्यश्री हेमवल्लभसूरीश्वरजी सहित अन्य साधु साध्वियों के सान्निध्य में स्नात्र पूजा, कुमकुम पत्रिका लेखन, शक्रस्त्रव अभिषेक, दीक्षार्थी के कपड़े रंगवाई, वर्षीदान, अंतिम वायणा, विदाई समारोह संपन्न हुआ। महोत्सव के तीसरे दिन आचार्यश्री ने पूरे विधि विधान से मंत्रोच्चार के साथ शुभ मुहूर्त में दीक्षार्थी अर्पित शाह को रजोहरण प्रदान किया। ज्ञातव्य है कि मुमुक्षु अर्पित शाह कैलाशबेन-प्रवीणभाई शाह का पुत्र है।

विधिकारक मौलिक भाई एवं प्रतिकभाई ने विधि विधान कराया। संगीतकार पारस गड़ा ने संगीत की प्रस्तुति दी। दीक्षा के बाद मुमुक्षु अर्पित शाह का संयम जीवन का नाम मुनिश्री लक्ष्यवल्लभविजयजी रखा गया।

बजट में कृषि पर ध्यान, मध्यम वर्ग को राहत से बढ़ेगी वाहनों की मांग : उद्योग

नई दिल्ली/भाषा। वाहन उद्योग ने बजट में कृषि पर विशेष ध्यान और वेतनभोगियों को कर राहत दिए जाने से मांग में तेजी आने की उम्मीद जताते हुए शनिवार को कहा कि इसका वाहन उद्योग पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। वाहन विनिर्माता कंपनियों के निकाय सियाम ने शनिवार को संसद में पेश 2025-26 के बजट पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि सरकार दीर्घकालिक टिकाऊ आर्थिक वृद्धि पर ध्यान केंद्रित कर रही है। सोसायटी ऑफ ऑटोमोबाइल मैन्यूफैक्चरर्स (सियाम) के अध्यक्ष शैलेश चंद्र ने एक बयान में कहा, ग्रामीण समृद्धि और कृषि पर विशेष ध्यान, व्यक्तिगत आयकर में संशोधन के साथ इस बजट से वाहन उद्योग पर सकारात्मक प्रभाव डालने की उम्मीद है। यह बजट मांग पैदा करने में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि स्वच्छ परिवहन की दिशा में कदम बढ़ा रहे उद्योग को 'राष्ट्रीय विनिर्माण मिशन' से लाभ होगा, जो बैटरी, मोटर और नियंत्रकों के लिए स्वच्छ तकनीक विनिर्माण का समर्थन करता है। वाहन कलपुर्जा उद्योग के निकाय एक्मा ने केंद्रीय बजट को दूरदर्शी और विकास-केंद्रित बताया है। एक्मा की अध्यक्ष श्रद्धा सूरी मारवाह ने कहा, एमएसएमई, नवाचार, निर्यात और आपूर्ति शृंखला के जुझारूपन पर ध्यान देने से वाहन कलपुर्जा उद्योग को एक मजबूत प्रोत्साहन मिलेगा। वाहन डीलरों के संगठन फाडा ने कहा कि आयकर छूट सीमा बढ़ाए जाने से दोपहिया, यात्री वाहनों और इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग सीधे तौर पर बढ़ेगी क्योंकि उपभोक्ताओं के पास नए वाहन खरीदने के लिए अधिक खर्च-योग्य आय होगी।

देश की सबसे बड़ी दोपहिया कंपनी हीरो मोटोकॉर्प के कार्यकारी चेयरमैन पवन मुंजाल ने कहा कि केंद्रीय बजट विनिर्माण, हरित परिवहन और ग्रामीण सशक्तिकरण के लिए साहसिक कदम उठाने के साथ भारत के वृद्धि इंजन को गति देने का काम करता है।

नई दिल्ली के प्रगति मैदान में विश्व पुस्तक मेला 2025 देखने उमड़े लोग।

बारह लाख रु तक की वार्षिक आय पर शून्य कर का बजट प्रस्ताव दूरदर्शी कदम : माझी

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने शनिवार को कहा कि केंद्रीय बजट 2025-26 में 12 लाख रुपए तक की वार्षिक आय पर प्रस्तावित ''शून्य आयकर'' एक दूरदर्शी कदम है और इससे नागरिक सशक्त होंगे और अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

बजट में कर स्लैब के पुनर्गठन के प्रस्ताव से मध्यम वर्ग को राहत मिली है।

माझी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, नई कर व्यवस्था के तहत 12 लाख रुपए तक शून्य आयकर की इस परिवर्तनकारी पहल के लिए

माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र जी और माननीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण जी को हार्दिक धन्यवाद। यह दूरदर्शी कदम नागरिकों को सशक्त बनाता है, अर्थव्यवस्था को मजबूत करता है और सभी के लिए बेहतर वित्तीय अवसरों का मार्ग प्रशस्त करता है।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने घोषणा की कि नई आयकर व्यवस्था के तहत 12 लाख रुपए तक की वार्षिक आय पर कोई कर नहीं देना होगा।

वेतनभोगी करदाताओं के लिए मानक कटौती को ध्यान में रखने के बाद आय सीमा 12.75 लाख रुपए होगी।

वित्त मंत्री ने अपने बजट भाषण में कहा, नए ढांचे से मध्यम वर्ग के करों में काफी कमी आएगी और उनके हाथ में अधिक पैसा बचेगा, जिससे घरेलू उपभोग, बचत और निवेश को बढ़ावा मिलेगा।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com